● वर्ष-2
● अंक-205
रायपुर, बुधवार
19 अप्रैल 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmailÐcom

विधायक के काफिले पर गोलीबारी

विक्रम मंडावी के काफिले पर नक्सलियों की फायरिंग; सभा से लौट रहे थे

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मंगलवार को कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी के काफिले पर नक्सलियों ने हमला कर दिया। यह हमला गंगालूर गांव में हुआ है। पुलिस ने बताया कि बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे और सुरक्षित बीजापुर जिला मुख्यालय पहुंचे। इलाके में नक्सलियों की किसी गतिविधि की जांच चल रही है। इस हमले में वह बाल-बाल बचे हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों द्वारा विधायकों और अन्य राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने के कई उदाहरण सामने आए हैं। घटना पौने तीन बजे के आस-पास की है। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि गंगालूर गांव में एक सार्वजनिक कार्यक्रम से लौटते समय, हमारे काफिले पर हमला किया गया, जहां एक वाहन पर गोलियां चलाई गईं और उसका टायर पंचर हो गया। विक्रम मंडावी ने यह भी कहा कि हम सभी सुरक्षित जिला मुख्यालय पहुंचे। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने वारदात की पुष्टि की है।

जानकारी के मुताबिक, बीजापुर विधायक और बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विक्रम मंडावी पीसीसी के निर्देश पर मंगलवार को नुक्कड़ सभा मे शामिल होने गंगालूर गए थे। यह इलाका नक्सल प्रभावित है। सभा के बाद विधायक विक्रम मंडावी सहित कांग्रेसियों का काफिला लौट रहा था। इसी दौरान पदेडा गांव के नजदीक नक्सलियों ने काफिले में चल रहे वाहनों पर हमला कर

दिया। काफिले में शामिल जिला पंचायत सदस्य पार्वती कश्यप के वाहन के पिछले टायर में गोली लगने की खबर मिली हैं।

नक्सलियों की किसी एरिया कमेटी ने नहीं ली जिम्मेदारी

बताया जा रहा है कि फायरिंग के दौरान विधायक का काफिला दूर निकल चुका था। काफिले में शामिल सभी लोग सुरक्षित बताए गए हैं। सभी लोग बीजापुर मुख्यालय लौट आए हैं। वारदात के बाद पुलिस ने इलाके में सर्चिंग तेज कर दी है। बताया जा रहा है कि विधायक के साथ बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। हालांकि अब तक यह पता नहीं लग पाया है कि नक्सलियों के कौन सी एरिया कमेटी ने वारदात की है। हालांकि पुलिस अफसर अभी कुछ बोल नहीं रहे हैं।

रोकने के बाद भी गए विधायक-गृहमंत्री

गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि, अभी प्राप्त जानकारी के अनुसार, विक्रम मंडावी जी गंगलूर की तरफ दौरे पर जाने वाले थे। उनको पुलिस वालों ने मना किया था कि वहां मत जाइए। बिना फोर्स और बिना सिक्योरिटी के जाना उचित नहीं है, लेकिन वह रोकने के बाद भी गए और सकुशल लौट आए हैं। उनके काफिले पर कहीं कोई नक्सली हमले की जानकारी अभी नहीं आई है। उनके पीछे जिला पंचायत सदस्य आ रही थीं। उन्होंने गोली चलने और टायर पर लगने की बात कही है। हालांकि पीछे आ रहे पत्रकारों के दल पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। टायर बदलते जरूर पत्रकारों ने उन्हें देखा था। विस्तृत जानकारी मंगाई जा रही है।

हुई थी भाजपा विधायक की हत्या

करीब चार साल पहले लोकसभा चुनाव के समय साल 2019 में भी नक्सलियों ने ऐसे ही दंतेवाड़ा से विधायक भीमा मंडावी के काफिले पर हमला किया था। इस हमले में मौके पर ही विधायक भीमा मंडावी की हत्या कर दी गई थी। वहीं बीजापुर में भी भाजपा के पूर्व वन मंत्री और विधायक रहे महेश गागड़ा के काफिले पर भी नक्सली हमला कर चुके हैं। इसी तरह 25 मई 2013 को हुए झीरम घाटी नक्सली हमले में कांग्रेस तत्कालीन अध्यक्ष नंद कुमार पटेल, केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल सहित 32 लोगों की

कचलावारी के जंगल में हुई मुठभेड़ एक नक्सली ढेर, दो गिरफ्तार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के थाना नैमेड़ क्षेत्र अंतर्गत भैरमगढ़ एरिया कमेटी के डीव्हीसीएम मोहन कड़ती, सुमित्रा कड़ती एवं अन्य नक्सलियों की उपस्थिति की आसूचना पर कैम्प रेडडी से डीआरजी की टीम अभियान पर निकली थी, कचलावारी के जंगल में आज मंगलवार सुबह 08 बजे हुई मुठभेड़ में डीआरजी के जवानों ने एक पुरुष नक्सली को ढेर कर दिया है, वहीं मुठभेड़ के दौरान भागते हुये 02 नक्सलियों को जवानों के द्वारा घेराबंदी मौके से गिरफ्तार किया गया है। बीजापुर एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने इसकी पुष्टि की है। एएसपी चंद्रकांत गवर्ना ने बताया कि इसमें एक नक्सली का शव बरामद हुआ है। इस मुठभेड़ में 02 नक्सलियों को पकड़ा गया है। घटनास्थल से भारी मात्रा में नक्सलियों ने दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद किया गया है। जवानो द्वारा सर्चिंग जारी है, इस मुठभेड़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं।

वहीं एक अन्य घटना में बीजापुर डीआरजी का बल नक्सल गस्त सर्चिंग हेतु थाना जांगला क्षेत्रांतर्गत ग्राम पोटेनार, बड़ेतुगांली की ओर रवाना हुये थे। गस्त सचिंग के दौरान सोमवार को लगभग 5:35 बजे बड़ेतुंगाली नाला के पास (थाना से 08 किमी दक्षिण दिशा में) नक्सलियों द्वारा लगाये गये आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से डीआरजी के सहायक आरक्षक 325 शंकर पारेट घायल हो गये। घायल जवान को उपचार हेतु जिला अस्पताल में जारी है, घायल जवान की स्थिति समान्य है।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

खर्चीली शिक्षा और बढ़ती बेरोजगारी

भारत के 117 अरब डॉलर के शिक्षा उद्योग में कारोबार लगातार तेजी से बढ़ रहा है और नए कॉलेजों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। हालांकि इसके बावजूद हजारों युवा भारतीय सीमित या बिना कौशल के स्नातक की डिग्री हासिल कर ले रहे हैं। यह स्थिति विकास के एक महत्वपूर्ण दौर में अर्थव्यवस्था को कमजोर कर रही है। भारत में आगे बढ़ने के लिए बेताब कुछ युवा नौकरी पाने की उम्मीद में दो या तीन डिग्री के लिए भी भुगतान कर रहे हैं। वे छोटे अपार्टमेंट भवनों के अंदर या बाजारों में दुकानों के अंदर चल रहे कॉलेजों की ओर आकर्षित होते हैं। राजमार्गों पर संस्थानों के लिए बिलबोर्ड लगे हुए हैं, जिनमें जॉब प्लेसमेंट का वादा किया जा रहा है। यह एक अजीब विरोधाभास है। एक तरफ भारत के शीर्ष प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थानों ने अल्फाबेट सीईओ के सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला जैसे ग्लोबल बिजनेस लीडर्स को तैयार किया है। दो दर्जन से अधिक छात्रों और विशेषज्ञों के अनुसार दूसरी ओर ऐसे हजारों छोटे निजी कॉलेज हैं, जिनके पास नियमित कक्षाएं नहीं हैं, वे कम प्रशिक्षित वाले शिक्षकों को नियुक्त करते हैं, पुराने पाठ्यक्रम का उपयोग करते हैं, और कोई व्यावहारिक अनुभव या नौकरी प्लेसमेंट प्रदान नहीं करते हैं। दुनिया भर में, छात्र अब तेजी से बढ़ रही डिग्री की लागत और उसके रिटर्न पर विचार करने लगे हैं। उच्च शिक्षा पर अमेरिका सहित विश्व स्तर पर विवाद बहस शुरू हो गई है। कई लाभकारी संस्थानों को सरकारी जांच का भी सामना करना पड़ा है। फिर भी भारत में शिक्षा क्षेत्र की जटिलताएं तेजी से बढ़ती ही जा रही हैं। कुछ अनुमानों के अनुसार भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देशों में एक है। यहां सरकार नियमित रूप से किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक युवाओं पर अधिक फोकस करती है। प्रतिभा मूल्यांकन फर्म व्हीबॉक्स के एक अध्ययन के अनुसार भारत में सभी स्नातकों में से आधे शिक्षा प्रणाली की खामियों के कारण बेरोजगार हैं। छत्तीसगढ़ में भी कमोबेश यही स्थिति है प्रदेश में तकनीकि और प्रबंधन संस्थान कुकुरमुत्ते की तरह फुल गए है इसकी तुलना में प्रदेश में बेरोजगार के अवसर नहीं बढ़े यही कारण है कि तकनीकि और मेडिकल की व्यवसायिक शिक्षा लेने वाले स्नातक सरकारी नौकरी की इच्छा लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं में लग जाते है। अभी पीएसी की परीक्षाओं से लेकर चपरासी तक की भर्तीयों में इंजीनियर, दंत चिकत्सक की डिग्री वाले उम्मीदवार आवेदन करते है। प्रदेश में इस वजह से बेरोजगारी भी बहुत अधिक है। प्रदेश सरकार ने बेरोजगारों को 25 सौ रूपए भत्ता देने की घोषणा की है। हालाकि हितग्राही बेरोजगारों के चयन के लिए कई शर्तें रखी गई है। यही कारण है कि रोजगार कार्यालयों में दर्ज बेरोजगारों की संख्या 19लाख के करीब है जबकि अब तक बेरोजगारी भत्ता के तहत केवल 74 हजार आवेदन ही मिले है। उनमें से भी केवल 35हजार के करीब आवेदन भत्ता के लिए अनुशंसित किए गए है और स्वीकृत आवेदनों की संख्या मात्र 12500 है। ऐसी स्थिति में प्रदेश में बेरोजगारी के पैमाने को समझा जा सकता है। इसके लिए शैक्षिणिक संस्थाओं की गुणवत्ता बढ़े और निजी क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर मिले तभी बेरोजगारी की समस्या पर काबू पाई जा सकती है।

अहमदाबाद। सौराष्ट्र-तमिल संगम कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विश्व के प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव के सान्निध्य में तमिलनाडु तथा गुजरात दो प्रदेशों का मिलन हुआ है। यह मिलन भारत के सांस्कृतिक वैभव के दर्शन कराता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि सीमा सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा के साथ-साथ आज देश में संस्कृति की सुरक्षा भी अनिवार्य है।

अभी से सताने लगी गर्मी, पारा 44 डिग्री पार

नई दिल्ली। अप्रैल के दूसरे हफ्ते में ही गर्मी ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। आलम ये है कि सुबह सात से आठ बजे के बीच ही धूप लोगों को चुभने लगती है। जैसे-जैसे दिन चढ़ता है ये धूप और तीखी होती जाती है। छत्तीसगढ़ में सभी शहरों का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया है. साथ ही, सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक अधिक है. राजनांदगांव में लगातार दूसरे दिन सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान रहा. मौसम विभाग के पैमाने के मुताबिक सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस तापमान अधिक होने पर लू की स्थिति होती है. इस लिहाज से राजनांदगांव में लगातार दो दिन से लू की स्थिति बनी हुई है.

मौसम विभाग ने बंगाल, बिहार और आंध्र प्रदेश में भीषण गर्मी को लेकर ऑरेंज

अलर्ट जारी किया है। साथ ही झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और सिक्किम में हीट वेव का अनुमान जाहिर किया है। पंजाब और हरियाणा में भी हीट वेव की स्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र के अनुसार, एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है जिसके चलते पश्चिमी हिमालय और आसपास के मैदानी क्षेत्रों में बारिश होगी। ये पश्चिमी विक्षोभ मंगलवार से उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में गर्मी से राहत दे सकता है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में 18-20 अप्रैल के बीच छिटपुट बारिश के आसार हैं। हिमालयी क्षेत्र के जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अगले दो दिनों के बीच भारी बारिश हो सकती है। हिमाचल, उत्तराखंड और पंजाब में ओलावृष्टि हो सकती है।

बलौदाबाजार सबसे गर्म

छत्तीसगढ़ में मंगलवार को तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से पार हो गया. बलौदाबाजार के अर्जुनी में 44.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया है. यहां सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया गया है. राजधानी रायपुर में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से पार हो गया. रायपुर में 43.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा, जबकि बिलासपुर का तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. दोनों ही शहरों में तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक रहा.

अगले दस दिन मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, अभी गर्मी से ज्यादा राहत मिलने के आसार नहीं हैं। बारिश के चलते एक या दो दिन तापमान में कुछ कमी जरूर आएगी, लेकिन इसके बाद फिर से हीटवेब का सामना करना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ के इलाके खासतौर पर प्रभावित रहेंगे। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी इसका असर देखने को मिलेगा।

प्रमुख समाचार

ईडी मामले में सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी, 26 को आएगा निर्णय

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अब रद्द की जा चुकी आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े ईडी के एक मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर मंगलवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। आदेश 26 अप्रैल को शाम चार बजे सुनाया जाएगा। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने सोमवार को कथित आबकारी घोटाले में क्रमशः सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने सीबीआई मामले में सिसोदिया की हिरासत 27 अप्रैल तक और ईडी मामले में 29 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी, जब उन्हें पूर्व में दो मामलों में दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया गया था।

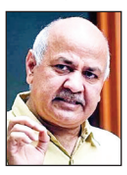

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू, श्रद्धालुओं को मिलेंगी कई नई सुविधाएं

जम्मू। वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है और इसके लिए श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। हम आपको बता दें कि दक्षिण कश्मीर में स्थित अमरनाथ मंदिर की वार्षिक यात्रा एक जुलाई से शुरू होकर 31 अगस्त तक चलेगी। इस वर्ष भी यात्रा अनंतनाग जिले के पहलगाम मार्ग और गंदेरबल जिले के बालटाल मार्ग, दोनों से ही एक साथ शुरू होगी। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड भक्तों के लिए सुबह और शाम की आरती का सीधा प्रसारण भी करेगा। तीर्थ यात्रा और यात्रा के मार्ग में मौसम की तत्काल जानकारी और कई सेवाओं का ऑनलाइन लाभ उठाने के लिए गूगल प्ले स्टोर पर एक ऐप भी उपलब्ध कराया गया है। हम आपको बता दें कि हाल ही में राजभवन में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता में हुई श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की 44वीं बैठक में तीर्थयात्रा का कार्यक्रम तय किया गया था।

फीका पड़ रहा है ममता का जादूः कांग्रेस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाले में तृणमूल कांग्रेस के विधायकों की गिरफ्तारी और विभिन्न मामलों में सीबीआई जांच के आदेश को लेकर कांग्रेस हमलावर हो गई है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को निशाने पर लिया है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ममता बनर्जी का जादू फीका पड़ गया है और लोग टीएमसी छोड़कर जा रहे हैं। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि पश्चिम बंगाल का प्रत्येक जिला प्रताड़ित है और अकेले पश्चिम बंगाल में सीबीआई के पास लंबित मामलों की संख्या पूरे भारत से अधिक है। राजनेता (टीएमसी) पश्चिम बंगाल के लोगों को लूट रहे हैं। सीएम ममता बनर्जी का जादू फीका पड़ रहा है और बड़ी संख्या में लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं।

यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष पर असम की महिला अध्यक्ष ने लगाया प्रताड़ना का आरोप

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) की असम इकाई की प्रमुख अंगकिता दत्ता ने अपने सहयोगी और आईवाईसी प्रमुख श्रीनिवास बीवी पर सेक्सिज्म और मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया। अंगकिता असम में तरुण गोगोई की सरकार में पूर्व मंत्री पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख अंजन दत्ता की बेटी हैं। सिलसिलेवार ट्वीट्स में दत्ता ने प्रियंका गांधी और उनके भाई राहुल गांधी पर उनकी शिकायतों के बावजूद श्रीनिवास के खिलाफ कोई कार्रवाई करने में विफल रहने पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि उनकी शिकायतों के बावजूद श्रीनिवास के खिलाफ कोई जांच समिति गठित नहीं की गई है।

अतीक-अशरफ हत्या मामले में एनएचआरसी ने दिया नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मंगलवार को प्रयागराज में गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्याओं को लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस को नोटिस जारी किया। आयोग ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और प्रयागराज के पुलिस आयुक्त को भेजे नोटिस में उनसे चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने कहा है कि रिपोर्ट में हत्या के सभी पहलुओं मृतक के चिकित्सा-कानूनी प्रमाणपत्रों की प्रतियां, जांच रिपोर्ट, पोस्ट-मॉर्टम रिपोर्ट, वीडियो कैसेट/पोस्ट-मॉर्टम परीक्षा की सीडी, अपराध घटित होने के स्थल की योजना, और मजिस्ट्रियल जांच रिपोर्ट शामिल किया जाना चाहिए। वहीं फरार शूटरों की तलाश भी उत्तर प्रदेश की पुलिस की तरफ से की जा रही है। एसटीएफ के एडीजी अमिताभ यश ने कहा कि इसमें 3 मुख्य शूटर फरार हैं, इन पर 5-5 लाख रुपए का इनाम है। इसके अलावा षड़यंत्र में जो लोग शामिल हैं जिसमें अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन भी शामिल हैं।

पुलवामा को जिंदा रखना चाहती है कांग्रेस

जितेंद्र भारद्वाज

14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। इस हमले को लेकर जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया था। मिशन-2024 की तैयारियों में जुटी कांग्रेस पार्टी ने मलिक के बयान को भुनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी है। अमूमन रोजाना ही कांग्रेस पार्टी, किसी न किसी बहाने पुलवामा हमले को उठा रही है। पार्टी का प्रयास है कि पुलवामा के जिन्न को लंबे समय तक जिंदा रखा जाए। मंगलवार को पार्टी से जुड़े कर्नल रोहित चौधरी (रि) और विंग कमांडर अनुपमा आचार्य (रि) ने केंद्र सरकार के समक्ष पुलवामा हमले को लेकर सवालों की बौछार कर दी है। आखिर 2,500 सीआरपीएफ जवानों को एयरक्राफ्ट क्यों नहीं दिए गए। इस सवाल को लेकर कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार से श्वेत पत्र प्रकाशित करने की मांग की है।

पिछले सप्ताह सत्यपाल मलिक ने अपने एक साक्षात्कार में पुलवामा आतंकी हमले को लेकर बड़ा खुलासा किया था। इसी आधार पर विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया। राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में लिखा, प्रधानमंत्री जी को करप्शन से कोई बहुत नफरत नहीं है। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने लगभग साढ़े चार मिनट का एक वीडियो जारी कर दिया। इसमें सीआरपीएफ, पुलवामा हमले के सीन और सत्यपाल मलिक का साक्षात्कार दिखाया गया है। हालांकि जब यह

हमला हुआ तो उस वक्त राजनीतिक दल, लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे थे। कांग्रेस की तरफ से दबी जुबान में इस मामले को उठाने का प्रयास हुआ, लेकिन भाजपा के राष्ट्रवाद के आगे पार्टी का एजेंडा आगे नहीं बढ़ सका। यहां तक कि पार्टी के भीतर ही पुलवामा हमले को लेकर अलग तरह के सुर सुनने को मिले थे। संसद सत्र के दौरान कांग्रेस ने दूसरे विपक्षी दलों को साथ लेकर अदाणी मामले पर केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश की थी। इस बीच राहुल गांधी को गुजरात की एक अदालत से मानहानि केस में सजा हो गई। इसके बाद राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता चली गई। कांग्रेस पार्टी के अधिकांश नेता, गत शुक्रवार से ही इस मुद्दे को उठा रहे हैं। दिल्ली में पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि अगर कांग्रेस, पुलवामा का सच लोगों तक पहुंचाने में कामयाब हो जाती है, तो न केवल विपक्षी दलों में उसके प्रभाव में इजाफा होगा, अपितु विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनाव और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भी फायदा मिल सकता है। कर्नल रोहित चौधरी (रि) और विंग कमांडर अनुमा आचार्य (रि) ने %पुलवामा 2019-एक ऐसी चूक जिसका कोई जिम्मेदार नहीं शीर्षक से अपना बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि पुलवामा हमले पर मोदी सरकार को खुफिया, सुरक्षा और प्रशासनिक विफलताओं की जवाबदेही तय करने के लिए एक श्वेत पत्र प्रकाशित करना चाहिए। 14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में आतंकियों द्वारा सेना के 78 वाहनों के काफिले पर लगभग 300 किलोग्राम विस्फोटक भरी कार से किए गए हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। पुलवामा हमले के समय जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक ने हाल ही में एक यूट्यूब चैनल को दिए अपने इंटरव्यू में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसके बाद 17 अप्रैल को पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल शंकर रॉय चौधरी ने अपने एक साक्षात्कार में इस विषय पर गंभीर चिंता जताई है। जनरल रॉय चौधरी कहते हैं, अगर सैनिकों ने हवाई मार्ग से यात्रा की होती, तो जनहानि से बचा जा सकता था। नागरिक उड्डयन विभाग, वायु सेना या बीएसएफ के पास विमान उपलब्ध हैं। उनके अनुरोध के बावजूद 2,500 सीआरपीएफ जवानों को एयरक्राफ्ट क्यों नहीं दिए गए? मोदी सरकार ने अनुमति क्यों नहीं दी? क्या 40 लोगों की जान नहीं बचाई जा सकती थी? जनरल रॉय चौधरी ने कहा, कई कारण खुफिया विफलता की ओर इशारा करते हैं। 2 जनवरी 2019 से 13 फरवरी 2019 के बीच आतंकवादी हमले की चेतावनी वाली खुफिया सूचनाओं को नजरअंदाज क्यों किया गया। आतंकियों ने करीब 300 किलो विस्फोटक कैसे खरीद लिया।

महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण महिलाओ को आर्थिक विकास के अवसर उपलब्ध होंगे

■ बिहान समूह की महिलाएं चलाएंगी एनआईटी कालेज की कैंटीन

रायपुर। एनआईटी कॉलेज रायपुर की कैंटीन का संचालन इस वर्ष छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान जिला पंचायत रायपुर अंतर्गत गठित उजाला ग्राम संगठन सेरीखेड़ी की महिलाओ द्वारा संचालित किया जाएगा। जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश छिकारा एवं एनआईटी कॉलेज की प्रबंधन टीम के अभिनव प्रयासो से इस बार बिहान की महिला समूहों को कैंटीन संचालन का कार्यादेश एनआईटी से प्राप्त हुआ है। जिससे समूह की महिलाओ को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा छात्रों को घर जैसा भोजन बाजार से कम दाम में उपलब्ध करवाया जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम संगठन से समृद्धि अभियान के शुभारंभ के शुभ अवसर पर आज एनआईटी कॉलेज रायपुर में बिहान कैंटीन का शुभारंभ एनआईटी की डायरेक्टर श्रीमति ए बी सोनी के द्वारा रजिस्टार डॉ.पी वाय ढेकने,डॉ. नितिन जैन डीन स्टूडेंट वेलफेयर , डॉ. प्रभात दीवान डीन आर× सी , डॉ. मनोज प्रधान चीफ वार्डन एवं डॉ. एस. सनयाल एचओडी मेकेनिकल तथा जिला पंचायत रायपुर से अति.मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एच. के.जोशी जी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धरसींवा से श्रीमति रूही टेम्भूरकर की उपस्थिथि में किया गया। बिहान कैंटीन के शुभारंभ के अवसर पर बिहान की दीदी, एनआईटी के छात्र बिहान के डीपीएम, वाय पी,पीआरपी आदि उपस्थित रहे।बिहान कैंटीन में छात्रों के लिए इंडियन, चाइनीज, छत्तीसगढ़ी व्यंजन, मिलेट व्यंजन आदि उपलब्ध रहेंगी।बिहान कैंटीन के संचालन से 25 महिलाओ को रोजगार प्राप्त होगा तथा महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण महिलाओ को आर्थिक विकास के अवसर प्रदान करने के लिए एनआईटी कॉलेज का यह प्रयास सराहनीय है,जिससे अन्य संस्थानों एवं बिहान के सामुदायिक संगठनों के लिए प्रेरणास्रोत का कार्य करेगा।

पर्यावरण संरक्षण के साथ प्रदूषण मुक्त कोरबा के लिए भाकपा ने किया प्रदर्शन

कोरबा। भाजपा भगाओ, कम्युनिस्ट पार्टी लाओ, संविधान बचाओ, देश बचाओ, लोकतंत्र बचाओ व जिले को प्रदूषण मुक्त करो के नारे के साथ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला परिषद ने धरना प्रदर्शन किया। तदुपरांत कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

सुभाष चौक निहारिका में आयोजित धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भाकपा के जिला सचिव पवन कुमार वर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संविधान लोकतंत्र के अस्तित्व धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के गणतंत्र की मुख्य मूल्यों को कुचला जा रहा है। अत्याचार बढ़ रहे हैं, पूंजीवाद हमारे देश के मूल्य संसाधनों को खा रहा है और केंद्र सरकार द्वारा इसे प्रोत्साहित किया जा रहा है। अदाणी ग्रुप की कंपनियों की सरकार एक संसदीय कमेटी गठित कर जांच करें। राष्ट्रीय संपत्तियों को चंद चुनिंदा लोगों को औने.पौने दामों में बेचा जा रहा है।

बंदरगाहों, हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशन, बैंक, जीवन बीमा निगम समेत तमाम नवरत्न व महानवरत्न कंपनियों को अपने कारपोरेट मित्रों के हवाले केंद्र सरकार कर रही है। देश के आम लोग महंगाई की मार झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि योजनाबद्ध तरीके से रोजी रोजगार के अवसर में कटौती की जा रही है। वर्मा ने कहा कि किसान एवं अपने लिए पुनः कृषि उत्पाद को खरीदते हैं तो उन्हें कई गुना अधिक कीमत पर खरीदना पड़ता है और उस पर कमरतोड़ महंगाई जो मौजूदा केंद्र सरकार द्वारा पोषित है किसान समेत समाज के सामने जीने का संकट पैदा कर दिया है। कोरबा जिले में प्रदूषण से आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। एसईसीएल, एनटीपीसी, सीएसबी, बाल्को द्वारा प्रदूषण फैलाया जा रहा है।

भाकपा ने कई बार ध्यान आकर्षण कराया, आम जनता के साथ आंदोलन किया, पर कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। भाकपा की मांग है कि प्रदूषण की रोकथाम के लिए राख का परिवहन ट्रक के स्थान पर बलकर कैप्सूल से किया जाए। इस दौरान पूर्व जिला सचिव दीपेश मिश्रा, सहायक जिला सचिव रेवत प्रसाद मिश्रा, सहायक जिला सचिव अनूप सिंह, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, केपी डडसेना, एसके प्रसाद, एनके दास, सुभाष सिंह, कमर बाक्स, ज्ञानचंद साहू, आरपी मिश्रा, राममूर्ति दुबे, सीके सिन्हा, परदेसी साहू, नरेश खुटे, शशि नायर, मनीराम खांडे, घनश्याम पटेल, संतोषी बरेढ, विजयलक्ष्मी चौहान, इंद्राणी श्रीवास, बबली बरेढ, रंभा भाई, बुधवारी सारथी, शिवकुमार, संजीव राय, परदेसी साहू, मोहन कर्ष आदि उपस्थित रहे।

पहाड़ी कोरवा बच्चों के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान और चिरायु योजना बनी वरदान

जशपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य योजनाएं जशपुर की पहाड़ी कोरवा जनजाति के बच्चों के लिए वरदान साबित हो रही हैं। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत बेहतर देखभाल की व्यवस्था होने से जिले में बीते चार सालों में 1,674 कुपोषित बच्चों में से 765 बच्चे सुपोषित हुए हैं। वहीं, चिरायु योजना का लाभ 89 बच्चों मिला है। इनमें से जन्मजात हृदय रोग के पांच, दृष्टि दोष के 13, रक्ताल्पता के सात, अतिकुपोषित के छह, होंठ एवं तालू विकृति का एक, त्वचा रोग के 23, दन्त रोग के 11, कान संक्रमण के नौ एवं अन्य बीमारियों के 14 बच्चों का इलाज कराया गया है। इनमें से सात का रायपुर में ऑपरेशन कराया है।

वहीं, मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना के तहत विकासखण्ड बगीचा एवं मनोरा के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित हाट बाजार में 6,317 हितग्राहियों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिला है। साथ ही 27 स्वास्थ्य शिविरों में 1,369 हितग्राहियों को लाभ मिला है।

इधर, शासन द्वारा पहाड़ी कोरवा युवाओं को शासकीय सेवा में नियुक्ति देने की पहल भी जारी है। जशपुर जिले में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर 54 युवाओं की सीधी भर्ती की गई है। वहीं 146 शिक्षक के पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है। वहीं कौशल उन्नयन योजना के तहत 40 युवाओं को प्लम्बर ट्रेनिंग देने के साथ ही टूल किट वितरित की गई है।

इसके अलावा जिले के जनजाति के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए आवासीय विद्यालय की सुविधा भी राज्य शासन द्वारा दी जा रही है। इसके तहत अवासीय विद्यालय रूपसेरा में 110 बच्चे रहकर पढ़ रहे हैं। वहीं, आश्रम छात्रावासों में 970 पहाड़ी कोरवा, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, संकल्प शिक्षण संस्थान एवं प्रयास आवासीय विद्यालय जशपुर में 40 जबकि स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में सात पहाड़ी कोरवा बच्चे अध्ययनरत हैं। 30 बच्चों को विधानसभा का भ्रमण कराया गया है। बगीचा में तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया है।

सन्ना विकासखंड बगीचा में नवीन तहसील कार्यालय शुरू हो चुका है, यहां प्रभारी तहसीलदार की पदस्थापना भी कर दी गई है। वहीं महादेवडांड़ विकासखंड बगीचा में पुलिस चौकी खोली गई है।

जशपुर जिले की पहाड़ी कोरवा जनजाति को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार निरंतर प्रयासरत है। माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में प्रदेश में पहाड़ी कोरवा जनजाति की चिकित्सा और शिक्षा के लिए तो विभिन्न योजनाएं संचालित हैं ही, साथ ही पहाड़ी कोरवा बहुल इलाकों में भी विभिन्न विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। इसके तहत जहां जिले के सन्ना विकासखंड बगीचा में नवीन तहसील कार्यालय शुरू हो चुका है, और यहां प्रभारी तहसीलदार की पदस्थापना भी कर दी गई है। वहीं, महादेवडांड़ विकासखंड बगीचा में पुलिस चौकी खोली गई है। इसके अलावा 39 ग्राम पंचायतों में 64 देवगुड़ी बनाए जाने की भी योजना हैं, जिनमें से 40 का निर्माण हो चुका है। वहीं 24 का निर्माण चल रहा है। साथ ही साथ मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना के तहत बुटंगा ग्राम पंचायत के रंगपुर में विद्युतीकरण पूरा किया चुका है। वहीं, 29 मजराटोलों के लिए विद्युतीकरण कार्य जल्द पूर्ण हो जाएगा।

विश्व लिवर दिवस पर निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आज

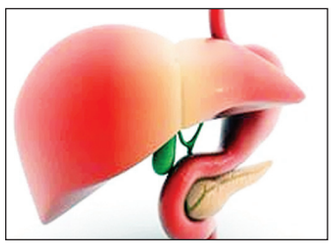

कोरबा। 19 अप्रैल वर्ल्ड लिवर डे विश्व यकृत दिवस पर लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट के तत्वाधान में सभी प्रकार के लिवर संबंधित रोगों एवं स्त्री, पुरुषों तथा बच्चों के सभी सामान्य, साध्य, कष्टसाध्य एवं असाध्य रोगों हेतु निःशुल्क आयुर्वेद एवं योग चिकित्सा परामर्श शिविर दिनांक 19 अप्रैल 2023 बुधवार को पतंजलि चिकित्सालय निहारिका कोरबा में प्रातः 10 बजे से मध्यान्ह 2 बजे तक आयोजित है।

शिविर के विषय मे लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट के अध्यक्ष लायन शिव जायसवाल ने बताते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष 19 अप्रैल को वर्ल्ड लिवर डे मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य लोगो को लिवर के रोगों के प्रति जागरूक करना है, ताकि लिवर से संबंधित बीमारीयों से बचा जा सके। इसी तारतम्य में लिवर से संबंधित रोगों एवं स्त्री-पुरुषों तथा बच्चों के सभी सामान्य, साध्य, कष्टसाध्य एवं असाध्य रोगों हेतु निशुल्क आयुर्वेद एवं योग चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से प्रशिक्षित हजारों रोगियों की चिकित्सा का प्रत्यक्ष प्रायोगिक 15 वर्षों से अधिक का चिकित्सकीय अनुभव रखने वाले छत्तीसगढ़ प्रान्त के ख्यातिलब्ध सुप्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ वैद्य डॉ.नागेन्द्र नारायण शर्मा अपनी चिकित्सकीय सेवायें प्रदान करेंगे। साथ ही शिविर में आये रोगियों की निःशुल्क जांच एवं परामर्श के साथ उनके लिये उपयोगी योगाभ्यास तथा प्राणायाम का व्यक्तिगत रूप से अभ्यास कराकर विशेष प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा । साथ ही रोगियों को उनके लिये उपयोगी जीवनशैली के बारे में भी व्यक्तिगतरूप से परामर्श देने के साथ-साथ उनके लिये लाभकारी दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार, विहार के विषय मे व्यक्तिगतरूप से विस्तार से परामर्श दिया जाएगा। लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट के अध्यक्ष लायन शिव जायसवाल ने अंचलवासियों से लिवर संबंधित एवं अन्य रोगों के लिये आयोजित इस विशेष शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

नंदनी यादव ने बढ़ाया सुकमा का मान

संसद भवन में कला संस्कृति एवं परंपराओं से जीत ली सबका मन

सुकमा। इन दिनों सुकमा की नंदनी की प्रदेशभर में चर्चा हो रही है। सुकमा जिले की सुश्री नंदनी यादव ने अपने जिले के साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य का नाम कला संस्कृति एवं परपराओं से राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित की है। संसद भवन नई दिल्ली में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के 132 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिनिधित्व करने शामिल हुई थी। कार्यक्रम में अपने संबोधन कि शुरूआत छत्तीसगढ़ी बोली ''जय जोहर ''से कर, बाबा साहेब आंबेडकर के व्यक्तित्व व कृतित्व के साथ ही उनके शिक्षा के विचारों, समतामूलक समाज, न्याय संगत विकास और पर अपनी अभियक्ति देकर संसद भवन में सबका मन जीत ली।

नंदनी ने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए देश भर से चयनित 26 प्रतिभागियों में अपनी जगह बनाई। संसद भवन नई दिल्ली में 14 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में नंदनी ने कलगी के साथ रुपिया माला आदि पारंपरिक आभूषणों से सुसज्जित होकर छत्तीसगढ़ के पारंपरिक वेशभूषा में संसद भवन के सेंट्रल हाल में कार्यक्रम में शामिल हुई। जिसकी प्रशंसा लोक सभा के अध्यक्ष श्री ओम बिरला सहित अन्य अतिथिगण एवं उच्च प्रशासनिक अधिकारियों ने की। राज्य के अंतिम छोर में स्थित सुकमा जिला संवेदनशील क्षेत्र के लिए जाना जाता है। ऐसे में बस्तर अंचल से बालिका का अपने राज्य का प्रनिनिधित्व करना, शासन-प्रशासन और समाज के लिए गर्व की बात है। संसद भवन में नंदिनी की उपस्थिति महिलाओं की समाज में हो रही प्रगति को दर्शाता है। नंदिनी ने बताया कि उसे इस बात का गर्व है की संसद भवन में उपस्थित समस्त मंत्रीगण ने उसके पारंपरिक पहनावे की प्रशंसा की। साथ ही अन्य प्रदेशों से आए प्रतिभागियों ने भी छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति के बारे में जानने के प्रति उत्साहित थे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

रेत तस्कर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, दो फरार

कोरबा। राताखार निवासी युवक पर बेलचा से जानलेवा हमला करने वाले रेत चोर गिरोह के पांच आरोपितों के खिलाफ पुलिस ने हत्या का प्रयास किए जाने का मामला पंजीबद्ध किया है। साथ ही तीन आरोपितों की धरपकड़ कर गिरफ्तार कर लिया गया है। दो आरोपित अभी पुलिस पकड़ से बाहर हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही फ़रार आरोपितों को पकड़ लिया जाएगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार राताखार बजरंग चौक के पास रहने वाला किरण महतो 34 वर्ष का हसदेव नदी के दूसरे छोर पर सब्जी की बाड़ी है। रविवार को सुबह वह वहां गया था, इस दौरान उसने ट्रैक्टर में अवैध रूप से रेत का उत्खनन करपरिवहन करते देखा। उसने उत्खनन करने से मना कियाए तो मौके पर मौजूद तस्कर के पांच गुर्गों ने किरण के साथ मारपीट करते हुए बेलचा से सिर पर वार कर दिया। इस घटना में किरण के चेहरेए सिर व माथे में गंभीर चोटें आई। उसके पीठ पर भी कई वार किए गए। उसे स्वजनों ने जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया।

भीषण गर्मी के चलते बदला गया स्कूलों का समय

कोरबा। तेज धूप और लू के असर को देखते हुए जिला शिक्षा विभाग ने स्कूल संचालन के समय में परिवर्तन कर दिया है। एक पाली में संचालित होने वाली स्कूलों का समय सुबह सात से 10 बजे तक निर्धारित किया गया है। इसी तरह दो पालियों में संचालित होने वाली स्कूलों में पहली पाली में प्राथमिक से मिडिल स्कूल का समय सुबह सात से 10 बजे होगा। इसी दूसरी पाली में हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल का समय सुबह आठ बजे से 11 बजे निर्धारित यह नियम सरकारी व निजी दोनों स्कूलों के लिए लागू किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी जीपी भारद्वाज ने बताया कि स्कूलों का कार्यालयीन समय पूर्ववत सुबह 10 से शाम 5.30 बजे तक रहेगा। बहरहाल स्कूल के समय बदलाव किए जाने से अभिभावकों ने राहत की सांस ली है। निजी व शासकीय दोनों स्कूलों में वार्षिक परीक्षाएं पूरी हो चुकी हैं। सीबीएसई माध्यम वाले स्कूलों में नवीन शैक्षणिक सत्र की शुरूआत भी हो चुकी है। बताना होगा कि पखवाड़े भर पहले अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस पर था।

अत्याधुनिक हार्डवेयर एंड सॉफ्टवेयर सुविधा सहित भिलाई में तैयार होगा बीपीओ

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत युवाओं को रोजगार के लिए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर सुविधा सहित बीपीओ तैयार होगा। इसके लिए 10 करोड़ रुपए की राशि की स्वीकृति की घोषणा माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के द्वारा की गई है। जिस पर तत्परता से अमल किया जा रहा है। इसके साथ ही गारमेंट फैक्ट्री तैयार किया जाएगा, इसके तैयार हो जाने से भी अधिकतर महिलाओं को रोजगार मिल पाएगा तथा बीपीओ के माध्यम से युवाओं को भी रोजगार से जोड़ा जाएगा। जिसके चलते 1500 लोगों को रोजगार मिलेगा। इन सभी महत्वपूर्ण घोषणाओं पर शीघ्रता से काम करने के लिए विधायक देवेंद्र यादव, महापौर नीरज पाल व निगम आयुक्त रोहित व्यास ने खुर्सीपार क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस मौके पर महापौर परिषद के सदस्य एवं लोक निर्माण विभाग के प्रभारी एकांश बंछोर भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की पहल पर सड़क का निर्माण हुआ

पाटन। छग के सीएम भूपेश बघेल की पहल से करोड़ो रूपये की लागत से तांदुला मुख्य नहर पर सीमेंटीकरण सड़क का निर्माण कार्य किया गया है। सेलूद से जोरातराई गेट तक यह कार्य पूरा हो गया है। लेकिन नहर सड़क मार्ग को भारी वाहनो से बचाने सड़क के दोनो तरफसीमेंट के पोल गड़ा दिए गए है। जिससे आम जनता को आवागमन में दिक्कत न हो। साथ ही सड़क पर दो पहिया वाहनों के चलने से यह सड़क ज्यादा दिनों तक टिकेगी। साथ ही घटना दुर्घटना से भी बचाव होगा। ज्ञात हो कि बी एस पी प्लाट में कर्मी व कर्मचारी जोरातराई गेट से काम करने तीनो सिप्ट में सैकडो की सख्या में आते व जाते है। लेकिन उन्हें यह नहर सड़क कच्चा होने के कारण बरसात के दिनों में काफी दिक्क्त का सामना करना पड़ता था। तब कृषि उपज मंडी दुर्ग के अध्यक्ष अस्वनी साहू व ब्लाक अध्यक्ष महेन्द्र वर्मा की पहल पर इस सड़क का निर्माण कार्य मुख्यमंत्री के द्वारा कराया गया है। अब ग्रामीणो को प्लांट मे काम करने आने व जाने में किसी प्रकार की दिक्क्त का सामना नही करना पड़ता।

डंपर और ट्रैक्टर की हुई जोरदार भिड़ंत, चार घायल

पेंड्रा। पेंड्रा में मंगलवार को एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां एक कोयले से भरे डंपर ने ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में डंपर चालक और क्लीनर सहित ट्रैक्टर पर बैठी दो महिला मजदूर सहित चार लोगों को गभीर चोट आई हैं। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल मामले में पेंड्रा पुलिस जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह कोरबा से कोयला भरकर मध्यप्रदेश के जैतहरी मोजर वेयर पॉवर प्लांट जा रहे डंपर की पेंड्रा थानाक्षेत्र के कोटमी के पास स्थित सोननदी के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर से आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि डंपर में लदा कोयला सड़क किनारे बिखर गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने घटना की सूचना 112 के साथ पेंड्रा पुलिस को दी। पेंड्रा पुलिस ने डंपर चालक शत्रुघन गिरी निवासी तुमान, असमान गिरी क्लीनर निवासी तुमान और अनिता निवासी मझगवां और नीतू केवट निवासी बंधी को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया।

कांकेर में आदिवासी बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करा रहे पुलिसकर्मी

कांकेर। छत्तीसगढ़ी में %नवा अंजोर% कहें या गोंडी में %पूना वेश%, दोनों का हिंदी में एक ही मतलब होता है %नई सुबह%। ऐसी ही शानदार सुबह लाने का काम छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में हमारे जवान कर रहे हैं। ये जवान न केवल नक्सलियों का सामना कर रहे हैं, बल्कि धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र माने जाने वाले कांकेर के अंतागढ़ में आदिवासी बच्चों के लिए नई उम्मीद बन रहे हैं। वहां के बच्चों को पुलिसकर्मी प्रतियोगरी परीक्षाओं की तैयारी कराते हैं। उन्हें किताबों के साथ ही कॅरियर गाइडेंस भी देते हैं।

जून 2022 में खोला गया पहला कोचिंग सेंटर

दरअसल, जून 2022 में पुलिस ने पूना वेश नवा अंजोर नाम से योजना शुरू की। मकसद है, नक्सल प्रभावित बच्चों को भटकने से रोकना। इसके तहत पहले ताड़ोकी

और फिर अगस्त 2022 में कोयलीबेड़ा में निशुल्क कोचिंग सेंटर खोला गया। फिर बच्चों के लिए पाठ्य पुस्तकें और प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबें मुहैया कराने के लिए लाइब्रेरी भी शुरू की गई। शुरुआत में आशंका थी कि अंदरूनी इलाका होने के कारण बच्चे इस योजना से नहीं जुड़ेंगे. लेकिन पढ़ने और आगे बढ़ने की ललक ने इस मिथक को तोड़ दिया।

एसपी से लेकर अन्य सरकारी अफसर डॉक्टर पढ़ाते हैं

नक्सल आतंक को ठेंगा दिखाकर छात्र-छात्राएं कोचिंग सेंटर पहुंचने लगे। इन छात्रों की तादाद लगातार बढ़ने लगी। यह देखकर कोचिंग सेंटर में एसपी, एएसपी, डीएसपी, टीआई और अन्य अफसरों के साथ ही इलाके में पदस्थ डॉक्टरों व अन्य सरकारी अफसरों ने भी उन्हें समय देना शुरू किया। वे कोचिंग में समय-समय पर आते, बच्चों को पढ़ाते और उनका मार्गदर्शन करते। वर्तमान में एसआई की प्रतियोगी परीक्षा के लिए कोचिंग दी जा रही है। यहां 12वीं के बाद आगे की पढ़ाई और करियर को लेकर जानकारी भी दी जाती है।

मेकाज में दिखी बड़ी लापरवाही, सामान्य मरीजों के बीच रखा गया कोविड मरीज

जगदलपुर। मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में एक बार फिर से बड़ी लापरवाही देखने को मिली। जहां एक कोरोना मरीज को बिना कोविड वार्ड में शिफ्ट किए उसे सामान्य मरीजों के बीच रख गया। इस दौरान वार्ड में काम करने वाले स्टाफ नर्सों से लेकर जेआर कई लोग उस मरीज के संपर्क में आए हैं। ऐसे में लापरवाही काफी देखने को मिली है।

जानकारी के मुताबिक, करपावंड निवासी युवक को बीते 14 अप्रैल की रात को सांस लेने की तकलीफ से भर्ती किया गया। जहां 17 की शाम को उसका आरटीपीसीआर रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उसे कोविड़ वार्ड में भर्ती ना करते हुए उसे सामान्य मरीजों के बीच रखा गया था। इस बात की जानकारी मिलने के बाद भी अधिकारियों के द्वारा उसे कोविड़ वार्ड में ना रखकर उसे सामान्य मरीजों के बीच ही रखा। रात तक मरीज को कोविड वार्ड में शिफ्ट नहीं किया गया। जिसके बाद वार्ड की ही स्टाफ नर्स ने उसे आइसुलेशन वार्ड में शिफ्ट कर दिया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

अब यूपी में माफिया किसी को धमकी नहीं दे सकता : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अतीक अहमद और अशरफ हत्याकांड के बाद पहली बार सार्वजनिक तौर पर अपना बयान दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि अब उत्तर प्रदेश में माफिया किसी को धमकी नहीं दे सकते। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले प्रदेश में लगातार दंगे होते थे। 2012 से 17 के बीच में 700 से ज्यादा दंगे उत्तर प्रदेश में हुए। 2007 से 2012 के बीच में 364 से अधिक दंगे उत्तर प्रदेश में हुए हैं। लेकिन 2017 से आज तक उत्तर प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ है। योगी ने साफ तौर पर कहा कि एक भी बार उत्तर प्रदेश में कर्फ्यू नहीं लगा। इसकी नौबत ही नहीं आई। उन्होंने कहा कि यह निवेश और उद्यम स्थापित करने के लिए सबसे अनुकूल अवसर होता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अब पेशेवर अपराधी माफिया किसी उद्यमी को फोन से डरा धमका नहीं सकता। उत्तर प्रदेश आज बेहतरीन कानून व्यवस्था की गारंटी देता है।

ईडी मामले में सिसोदिया की जमानत पर सुनवाई पूरी

नईदिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अब रद्द की जा चुकी आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े ईडी के एक मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर मंगलवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। आदेश 26 अप्रैल को शाम चार बजे सुनाया जाएगा। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने सोमवार को कथित आबकारी घोटाले में क्रमशः सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में सिसोदिया की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल ने सीबीआई मामले में सिसोदिया की हिरासत 27 अप्रैल तक और ईडी मामले में 29 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी, जब उन्हें पूर्व में दो मामलों में दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया गया था। सीबीआई ने 26 फरवरी को सिसोदिया को अब रद्द की जा चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार के सिलसिले में गिरफ्तार किया था।

सपा-रालोद गठबंधन में रार कई सीटों पर दोनों के उम्मीदवार

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव की रणभूमि में उतरते उतरते सपा रालोद गठबंधन में घमासान शुरू हो गया। विभिन्न सीटों पर सपा और रालोद दोनों ने ही अपने उम्मीदवार मैदान में उतार दिए हैं। हैरत की बात यह है इस समय कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। उधर, रालोद ने मेरठ नगर निगम में महापौर पद पर अपना प्रत्याशी उतारने का एलान कर दिया है जबकि यहां भी सपा ने अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। विधानसभा चुनाव 2022 में सपा रालोद का गठबंधन हुआ था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने खास तौर पर पश्चिमी उप्र में जमकर प्रचार किया। एलान किया गया कि यह गठबंधन नगर निकाय चुनाव में भी चलेगा। यहां तक कि चुनाव से पहले रालोद प्रदेश अध्यक्ष रामशीष राय ने बड़ौत में घोषणा कर दी थी कि रालोद निकाय चुनाव अपने दम पर चुनाव लड़ेगा तो इसे लेकर रालोद और सपा दोनों में ही हंगामा मच गया था।

कांग्रेस बांटने वाली राजनीति कर रही है : सीटी रवि

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने विपक्षी दल कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि वो विभाजनकारी राजनीति करके वोटरों के बीच भेद पैदा करने का प्रयास कर रही है। टिकट बंटवारे को लेकर पार्टी नेताओं में पैदा हुए असंतोष की खबरों को निराधार बताते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि ने कहा कि भाजपा कल की तरह आज भी मजबूत है। उन्होंने कहा कि पार्टी को कर्नाटक में किये विकास कार्यों पर बेहद गर्व है और जनता विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को खारिज करते हुए बड़े बहुमत के साथ प्रदेश की कमान एक बार फिर भाजपा के हाथों में देगी। सीटी रवि ने कहा कि कांग्रेस झूठे आरोप लगा रही है, हमारा रिपोर्ट कार्ड तो प्रदेश की जनता के सामने है। चिक्कमगलुरु से भाजपा के चार बार के विधायक रवि ने कहा कि मुख्यमंत्री बोम्मई के शासन में कई कल्याणकारी योजनाओं के साथ आरक्षण सहित अन्य तमाम मुद्दों पर जनता के हित में कई फैसले लिये गये हैं।

सीबीआई ने अभिषेक बनर्जी को भेजा एक और पत्र

नईदिल्ली। सीबीआई ने अभिषेक बनर्जी को एक और पत्र भेजा। हालांकि इस बार उन्होंने पिछली गलती सुधार ली है। सीबीआई ने अभिषेक बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट के अगले आदेश तक एजेंसी के सामने पेश होने के आदेश पर रोक लगाने के लिए एक नया नोटिस दिया है। टीएमसी की तरफ से अभिषेक ने परेशान करने के अलावा सीबीआई के खिलाफ कोर्ट की अवमानना का भी आरोप लगाया था। तृणमूल के महासचिव ने ट्विटर पर शिकायत की कि सुप्रीम कोर्ट के स्टे ऑर्डर के बावजूद उन्हें सीबीआई का नोटिस भेजा गया है। सीबीआई ने 24 घंटे के भीतर अभिषेक को एक पत्र भेजा। पत्र में कहा गया है कि सीबीआई ने अभिषेक को पेश होने के लिए जो नोटिस भेजा था, उसे फिलहाल रोक दिया गया है। टीएमसी नेता की याचिका की त्वरित सुनवाई की अर्जी पर विचार करते हुए चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि याचिका को 24 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

कर्नाटक चुनाव, जारी है नामांकन का दौर

■ बीएस येदियुरप्पा बोले- 101त हमें पूर्ण बहुमत मिलने वाला है

बेंग्लुरू। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर नामांकन की प्रक्रिया जारी है। हालांकि, वार-पलटवार का दौर भी जारी है। इन सब के बीच कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा ने दावा किया कि 101% हमें पूर्ण बहुमत मिलने वाला है और हम सरकार बनाने जा रहे हैं। वहीं, येदियुरप्पा ने जगदीश शेट्टार के बयान पर भी पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि बीएल संतोष पर आरोप लगाने वाले जगदीश शेट्टार के बयान से मैं सहमत नहीं हूं। हमें अभी भी पूरा विश्वास है कि हम 150 से अधिक सीटें जीतेंगे।

दरअसल, अपने बयान में जगदीश शेट्टार ने कहा था कि कर्नाटक के सभी विधानसभा क्षेत्रों में जो हो रहा है, उससे पता चलता है कि लिंगायत समुदाय के लोग परेशान हैं और उनके (बीएल संतोष) रवैये से हर कोई परेशान है। इससे पार्टी का पूरा सिस्टम प्रभावित हो रहा है। कर्नाटक के मंत्री आर. अशोक ने कनकपुरा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। कांग्रेस विधायक केजे जॉर्ज ने सर्वज्ञ नगर निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। कांग्रेस विधायक बीजेड जमीर अहमद खान ने चामराजपेट निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया।

भाजपा विधायक अरविंद लिंबावली की पत्नी मंजुला अरविंद लिंबावली ने महादेवपुरा निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। कर्नाटक के मंत्री और भाजपा नेता ब्यारथी बसवराज ने बेंगलुरु में केआर पुरम विधानसभा क्षेत्र से नामांकन

दाखिल किया। कर्नाटक के मंत्री सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि हमें कनकपुरा के लोगों का जबरदस्त समर्थन है, वे चाहते हैं कि आर अशोक उनके विधायक बनें। वह सहज अंतर से चुनाव जीतने जा रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डी. के. शिवकुमार ने आज अपना नामांकन दाखिल किया है। अपना नामांकन दाखिल करने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने पिछले 35 वर्षों में इस विधानसभा क्षेत्र में सैकड़ों नेताओं को आगे बढ़ाया है और वे उनकी ओर से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि इसके परिणाम चुनाव नतीजों की घोषणा के दिन देखने को मिलेंगे।

कांग्रेस ने समाज को बांटा-नड्डा

कर्नाटक चुनाव को लेकर भाजपा अपनी ताकत दिखाने की शुरूआत कर चुकी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज हुबली पहुंचे हैं। नड्डा बुद्धिजीवियों से बातचीत करने के लिए बीवीबी इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी भी मौजूद रहे। इस दौरान नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आप 70 साल देख लीजिए, समाज को जितना बांट सकते हो बांटो। भाषा, जाति, पंथ, धर्म, हर पर जितना बांट सकते हो बांटो और सच्चाई ये है कि बांटते-बांटते वो खुद बंट गए... अब भाजपा को देखिए, अनेकता में एकता। उन्होंने कहा कि हम क्षेत्रीय भावनाओं की इज्जत करते हैं मगर उसके साथ ही हमने हमेशा राष्ट्रीय आकांक्षाओं पर ध्यान दिया है।

नड्डा ने कहा कि यूपीए के दौर में वोट बैंक की राजनीति के चलते किसी भी पीएम ने इजरायल जाने की हिम्मत नहीं की। उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री ने नेपाल का दौरा किया, और यह 17 वर्षों के बाद किसी भारतीय प्रधान मंत्री की यात्रा थी। 28 साल बाद भारत के पीएम ने श्रीलंका का दौरा किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने बच्चों से हर भारतीय भाषा के कम से कम 10 वाक्य सीखने का आग्रह किया। अब, यह निर्णय लिया गया है कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की परीक्षा 13 भाषाओं में आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में सारे देश की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई हुई है। इसके बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था स्थायी रूप से आगे बढ़ रही है। आज ये हमारी ताकत है।

देश के धनी राजनेताओं में से एक हैं डीके शिवकुमार

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार के हलफनामे से पता चला है कि 2018 में उनके हलफनामे की तुलना में केपीसीसी अध्यक्ष की संपत्ति में 68 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शिवकुमार ने अपनी कुल संपत्ति और उनके परिवार के सदस्यों की कुल संपत्ति 1414 करोड़ रुपये बताई। जानकारी के मुताबिक 2013 में डीके शिवकुमार की संपत्ति का मूल्य 251 करोड़ रुपये था और 2018 में, उनके और उनके परिवार के पास मौजूद संपत्ति का संयुक्त मूल्य 840 करोड़ रुपये था। 2023 में भारी वृद्धि दिखाते हुए, डीके शिवकुमार की संपत्ति में पिछले पांच वर्षों में 68 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। अपने हलफनामे के अनुसार, डीके शिवकुमार देश के सबसे धनी राजनेताओं में से एक हैं।

हलफनामे से यह भी पता चला है कि उनके पास 12 बैंक खाते हैं, जिनमें से कुछ को उनके भाई डीके सुरेश द्वारा संयुक्त रूप से प्रबंधित किया जाता है। उनके हलफनामे के अनुसार, डीके शिवकुमार पर भी 225 करोड़ रुपये का कर्ज भी है। उनके नाम से केवल एक टोयोटा कार पंजीकृत है, और इसकी कीमत रु 8,30,000 है। उन्होंने अपनी वार्षिक आय 14.24 करोड़ रुपये और अपनी पत्नी की वार्षिक आय 1.9 करोड़ रुपये घोषित की। डीके शिवकुमार सात बार विधायक चुने जा चुके हैं और इस बार उनकी नजर मुख्यमंत्री पद पर है अगर कांग्रेस चुनाव जीत जाती है।

अजित के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर बोले एनसीपी प्रमुख

एनसीपी को मजबूत बनाने में हमारा ध्यान : पवार

मुंबई। एनसीपी नेता अजित पवार के भाजपा में शामिल होने वाली अटकलों को एनसीपी प्रमुख ने सिरे से खारिज कर दिया। एनसीपी चीफ शरद पवार ने कहा कि अजित पवार ने कोई बैठक नहीं बुलाई है। पुणे में शरद पवार ने कहा कि मीडिया के दिमाग में जो भी चर्चाएं चल रही हैं, वह हमारे दिमाग में नहीं है।

शरद पवार ने खारिज की अटकलें

पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार का कहना है कि इन चर्चाओं का कोई महत्व नहीं है। रिपोर्टों की भी कोई आवश्यकता नहीं है। एनसीपी नेता एक ही सिर्फ एक सोच है कि पार्टी को कैसे मजबूती दिलाई जाए, इसके अलावा पार्टी नेताओं के दिमाग में कोई विचार नहीं है। महाविकास अघाड़ी में शामिल एनसीपी ने मुंबई में विधायकों की बैठक बुलाए जाने वाली चर्चाओं को खारिज करते हुए कहा कि एनसीपी विधायकों की कोई बैठक नहीं बुलाई गई है। शरद पवार ने कहा कि एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल स्थानीय चुनाव के कारण व्यस्त हैं। अजित पवार भी पार्टी के कामों में ही व्यस्त हैं, वे सभी का मार्गदर्शन कर रहे हैं। राकांपा अध्यक्ष ने कहा कि वे पुणें में अपने कामों को जल्द खत्म कर मुंबई जाएंगे।

पीएम मोदी की जीत को बताया करिश्मा

जीत पवार से जुड़ी अटकलें तब सामने आई, जब अजित ने अचानक अपनी बैठकें रद्द कर दीं। इसके अलावा उनकी कुछ टिप्पणियां भी भाजपा और शिंदे सरकार के प्रति नरम दिखाई दिए। अप्रैल की शुरुआत में पवार ने नरेंद्र मोदी की जीत को करिश्मे का श्रेय दिया। पवार ने कहा कि उनके लिए महंगाई और रोजगार पीएम की डिग्री से ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। हालांकि, पवार ने भाजपा में शामिल होने और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलने की अटकलों को निराधार बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया।

मैं एनसीपी में हूं और यहीं रहूंगा : अजित पवार

भाजपा में शामिल होने की चर्चाओं के बीच एनसीपी नेता और शरद पवार के भतिजे अजित पवार ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं एनसीपी में हूं और एनसीपी में ही रहूंगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी जो भी फैसला करे, मैं उसके साथ हूं। एनसीपी नेता ने यह भी कहा कि मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए यह सब फैलाया जा रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मेरे बारे में फैलाई गई अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। इससे पहले इस मामले को लेकर शरद पवार ने कहा था कि अजित पवार चुनाव संबंधी कामों में व्यस्त हैं। यह सारी बातें सिर्फ मीडिया में हैं। अजित पवार से मुलाकात के बाद पार्टी नेता अनिल पाटिल ने कहा कि आज मैंने उस न्यूज के बारे में चर्चा की, जो 2-3 दिन से चल रही थी। जो न्यूज में चल रहा है वैसा कहीं पर चर्चा नहीं हुआ है। तो इसे रोकना चाहिए क्योंकि आज तक कोई चर्चा दादा और किसी और की नहीं हुई है। हम अजित दादा के साथ हैं और आगे भी रहने वाले हैं और अजित दादा एनसीपी के साथ हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

राजस्थान और लखनऊ के बीच मुकाबला आज

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अब तक उतार-चढ़ाव वाला प्रदर्शन करने वाली लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम को अगर जीत की राह पर लौटना है तो उसे अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। लखनऊ की टीम ने अभी तक तीन मैच जीते हैं जबकि दो मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। उसके पास प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन उसके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में लखनऊ की टीम बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी जिससे आखिर में वह 10 से 15 रन कम बना पाई।

कप्तान केएल राहुल ने 56 गेंदों पर 74 रन बनाकर फॉर्म ने वापसी की जो कि टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। उसके बल्लेबाजों को हालांकि बीच के ओवरों में रन बनाने पर ध्यान देना होगा। लखनऊ के पास काइल मायर्स, निकोलस पूरन और मार्कस स्टोइनिस के रूप में अच्छे पावर हिटर हैं लेकिन उसके बल्लेबाज अच्छी साझेदारी नहीं निभा पा रहे हैं। इसके अलावा दीपक हुड्डा का रन नहीं बना पाना भी टीम के लिए चिंता का विषय है। पंजाब के खिलाफ लखनऊ में प्रतिभाशाली रवि बिश्नोई को देर से गेंद सौंपने की गलती की। बिश्नोई अपनी गुगली से बल्लेबाजों को गच्चा देने में माहिर हैं और कप्तान राहुल को डेथ ओवरों की बजाय बीच के ओवरों में उनका इस्तेमाल करना चाहिए। टीम के दो अन्य स्पिनर कृष्णप्पा गौतम और क्रुणाल पंड्या अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। मार्क वुड और आवेश खान के रुप में लखनऊ के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं। पंजाब के खिलाफ युद्धवीर सिंह चरक ने भी अपना प्रभाव छोड़ा। लखनऊ के लिए हालांकि राजस्थान से पार पाना आसान नहीं होगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 184 अंक लुढ़का निफ्टी 17,700 के नीचे

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 184 अंको की गिरावट दर्ज की गई, वहीं निफ्टी 47 अंक लुढ़कर 17,700 के नीचे चला गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 183.74 अंक यानी 0.31 फीसदी टूटकर 59,727.01 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 60,113.47 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 59,579.30 तक आया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 46.70 अंक यानी 0.26 फीसदी लुढ़का। निफ्टी दिन के अंत में 17,660.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 17,766.60 की उंचाई तक गया और नीचे में 17,610.20 तक आया। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 14 शेयर हरे निशान पर बंद हुए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंडसइंड बैंक, नेस्ले इंडिया, विप्रो, और मारुति सेंसेक्स के टॉप 5 गेनर्स रहे।

भारत में साल 2022 के दौरान रिकॉर्ड डिजिटल पेमेंट

नईदिल्ली। भारत डिजिटल लेनदेने के मामले में लगातार तेजी से आगे बढ़ता जा रहा है और नया रिकॉर्ड बना रहा है। पूरी दुनिया में यूपीआई से सबसे ज्यादा पेमेंट भारत में ही होते हैं। भारत ने अब नया रिकॉर्ड बनाया है। यूपीआई और कार्ड से एक साल के दौरान भारत ने रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की है। इसे मामले में देश के सभी शहरों की सूची में बेंगलुरु टॉप पर है, जिसने सबसे ज्यादा डिजिटल पेमेंट किया है। देश में डिजिटल लेनदेन के मामले में सिलिकॉन वैली के नाम से भी मशहूर बेंगलुरु भारतीय शहरों की सूची में सबसे ऊपर है। फ्रांस की पेमेंट और ट्रांसेक्शनल सर्विज कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में यह कहा है। द हिंदू ने वर्ल्डलाइन रिपोर्ट का हवाला देते हुए पब्लिश किया है कि बेंगलुरु ने 2022 में 6500 करोड़ के 29 करोड़ डिजिटल लेनदेन दर्ज किए। इस सूची में दूसरे स्थान पर दिल्ली है।

भारत में खुला पहला एप्पल स्टोर

मुंबई। दुनिया की प्रमुख उपभोक्ता प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल का देश में पहला रिटेल स्टोर मंगलवार को चालू हो गया। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने ग्राहकों का स्वागत करते हुए स्टोर के दरवाजे खोले। अमेरिकी कंपनी ने करीब एक पखवाड़े पहले यहां बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स कारोबारी जिले के एक मॉल में अपना स्टोर खोलने की घोषणा की थी, जिसके बाद से एप्पल के चाहने वालों में जोरदार उत्साह था। करीब 100 से अधिक कर्मचारियों और अन्य लोगों के जोशीले नारों के बीच कुक स्टोर के अंदर से दरवाजे खोलकर बाहर निकले और मेहमानों का स्वागत किया। कंपनी इसके बाद बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली के साकेत में अपने दूसरे रिटेल स्टोर का शुभारंभ करेगी।

रेलवे ने एक साल में जुटाया 2.40 लाख करोड़ का राजस्व

नईदिल्ली। भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2022-23 में रिकॉर्ड स्तर पर कमाई की है। इस एक साल में रेलवे का राजस्व 2.40 लाख करोड़ रुपये का रहा है। बता दें, ये कमाई रेलवे की पिछले वित्त वर्ष की कमाई से करीब 49,000 करोड़ रुपये अधिक है। 17 अप्रैल को मंत्रालय ने एक बयान जारी किया जिससे ये जानकारी मिली है। साल 2022-23 में माल ढुलाई से होने वाली आय में भी बढ़त हुई है। ये कमाई बढ़कर 1.62 लाख करोड़ रुपये हो गई। जो कि पिछले साल की तुलना में लगभग 15 फीसदी अधिक है। सबसे ज्यादा बढ़त यात्री आय में हुई है। रेलवे की यात्री आय में 61 प्रतिशत की वृद्धि है जो कि अब तक की सबसे अधिक वृद्धि है। वित्त वर्ष 22-23 में यह बढ़कर 63,300 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। रेलवे के अनुसार 2021-22 में 2,06,391 करोड़ रुपये की तुलना में 2022-23 में कुल रेलवे व्यय 2,37,375 करोड़ रुपये रहा।

मूल्य श्रृंखलाओं और निर्यात की तलाश

शंकर आचार्य

अमिता बत्रा ने पिछले दिनों इस समाचार पत्र में प्रकाशित अपने आलेख में एक विचारोत्तेजक प्रश्न रखा था कि भारत आखिर किसके साथ व्यापार करेगा? उनकी दलील यह थी कि वैश्विक वस्तु व्यापार तीन बड़े क्षेत्रीय कारोबारी ब्लॉक-उत्तरी अमेरिका, यूरोपीय संघ और आसियान-पूर्वी एशिया-में केंद्रित होता जा रहा है।

इनमें से पहले दो में अमेरिका-चीन के बढ़ते व्यापारिक विवादों, कोविड महामारी, यूक्रेन युद्ध और जलवायु परिवर्तन की चिंताओं के बीच 'चुनिंदा और अलग-थलग करने वाली कारोबारी नीतियां' अपनाई जा रही हैं जो स्पष्ट तौर पर विश्व व्यापार संगठन के सर्वाधिक तरजीही मुल्क (एमएफएन) के सिद्धांत के साथ विरोधाभासी हैं और उन्हें विकासशील तथा न्यूनतम विकसित देशों की कीमत पर आधार मिल रहा है। आसियान-पूर्वी एशिया में दो बड़े क्षेत्रीय व्यापार समझौते हैं-क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसेप) और व्यापक एवं प्रगतिशील अटलांटिक पार साझेदारी (सीपीटीपीपी)। हालांकि ये दोनों विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के अनुरूप हैं लेकिन इन्होंने निरंतर क्षेत्र के आर्थिक एकीकरण को गहरा किया। उन्होंने लिखा, 'भारत आरसेप में शामिल नहीं है, उसने सीपीटीपीपी की सदस्यता के लिए आवेदन भी नहीं किया है, यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते को लेकर अभी बातचीत ही चल रही है और अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर तो अभी विचार तक नहीं हो रहा है। ऐसे में भारत अलग-थलग पड़ सकता है।'

सन 2000 के बाद हमारी व्यापार नीतियों में अहम कमी यह रही कि हम वैश्विक और क्षेत्रीय मूल्य श्रृंखलाओं में अहम भागीदारी

करने में नाकाम रहे जबकि 1990 से 2020 के बीच यह वैश्विक व्यापार का अहम गुणधर्म बन गया। इस कमजोरी की कई वजह हैं-सन 1995 के बाद शुल्क में कमी की धीमी गति, क्षेत्रीय मुक्त व्यापार समझौतों में निष्प्रभावी भागीदारी, कमजोर घरेलू लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय सुविधा और प्रतिस्पर्धी विनिर्माण क्षेत्र के विकास में गंभीर बाधाएं। ऐसा न केवल व्यापार नीतियों की बदौलत हुआ छोटे उद्योगों से संबंधित आरक्षण के कारण, श्रम बाजार की दिक्कतों, विदेशी निवेश, अपर्याप्त बुनियादी ढांचा विकास और निचले स्तर पर कमजोर कौशल विकास के कारण भी हुआ। नीतियों को लेकर भी समझ बहुत सीमित थी।

भारत को आने वाले वर्षों में व्यापारिक अवसर बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाने चाहिए आइए बात करते हैं तीन सुझावों पर जिन पर विचार किया जा सकता है। पहला, हमें हर कोशिश करनी चाहिए कि मौजूदा यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार समझौता वार्ता को सफल बनाया जा सके। बहरहाल, यूरोपीय संघ की नीतियों में जलवायु कार्बन के मुद्दों की बढ़ती संबद्धता और पुराने इतिहास को देखते हुए एक व्यापक और गहन समझौते की बहुत उम्मीद नहीं है।

दूसरा, हमें गंभीरतापूर्वक इस बात की समीक्षा करनी चाहिए कि नवंबर 2019 में हम अंतिम चरण में आरसेप से पीछे क्यों हट गए हमें उसमें दोबारा शामिल होने का प्रयास करना चाहिए। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि चीन की आर्थिक और सैन्य शक्ति हमारे अन्य एशियाई पड़ोसियों जापान, कोरिया और अधिकांश आसियान देशों के लिए भी चिंता का विषय है। इनमें से कुछ का तो चीन के साथ क्षेत्रीय और समुद्री विवाद भी चल रहा है। लेकिन इसके बावजूद उनका इस विशाल पड़ोसी देश के साथ साझा लाभ वाला व्यापारिक और निवेश का रिश्ता है। आसियान, जापान और कोरिया के साथ हमारा मुक्त व्यापार समझौता भी आरसेप की सदस्यता का विकल्प नहीं हो सकता।

तीसरा, हमें सीपीटीपीपी की सदस्यता के लिए भी आवेदन करना चाहिए हालांकि इसमें आरसेप की तुलना में अधिक आर्थिक एकीकरण है। यह बड़ा क्षेत्रीय समझौता दीर्घावधि में आरसेप की तुलना में व्यापार का अधिक शक्तिशाली वाहक बन सकता है। ध्यान देने वाली बात है कि ब्रिटेन हाल ही में इसका सदस्य बना है।

क्या नीतीश विपक्ष को एकजुट कर पाएंगे

राज कुमार सिंह

नीतीश कुमार किस्मत के धनी हैं। 2019 में जब केंद्रीय सत्ता का स्वयंवर था, वह दो साल पहले महागठबंधन छोड़कर एनडीए में वापस चले गए थे। लेकिन 2024 के सत्ता स्वयंवर से दो साल पहले ही इस बार महागठबंधन में लौट आए। पिछली बार बिना शक वह सत्ता की वरमाला के स्वाभाविक विपक्षी दावेदार बन सकते थे, लेकिन इस बार भी दौड़ से बाहर नहीं हैं। 2019 के जनादेश के बाद कांग्रेस से कुछ क्षेत्रीय दलों की एलर्जी ज्यादा मुखर हुई है। ऐसे में इन तमाम पार्टियों को एक साथ लाना सचमुच एक कठिन चुनौती है। नीतीश के लिए अच्छी बात यह है कि एकता के सूत्रधार की भूमिका उन्हें सौंपी गई है। हालांकि यह अकारण नहीं है। विपक्षी खेमे की बात करें तो नीतीश कुमार सबसे अनुभवी मुख्यमंत्री हैं। कभी जंगलराज के लिए बदनाम बिहार में बदलाव के जरिये एक समय नीतीश की छवि सुशासन बाबू की भी बनी। बेशक वह छवि बीजेपी के साथ गठबंधन सरकार चलाते हुए बनी थी, जबकि अब दूसरी बार नीतीश महागठबंधन में उन्हीं लालू यादव के साथ आ गए हैं, जंगलराज के लिए जिनके परिवार को कोसते थे। पर यही तो राजनीति है। कहना मुश्किल है कि विपक्षी नेताओं के विरुद्ध सीबीआई-ईडी जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई विपक्षी एकता की कवायद को तेज करती है या फिर इस कवायद से उनकी कार्रवाई रफ्तार पकड़ती है। दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर हुई नीतीश कुमार की बैठक के बाद दो राज्यों में सरकार वाली आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल की उनसे मुलाकात में सकारात्मक प्रतिक्रिया और अगले दिन एनसीपी प्रमुख शरद पवार की खरगे व राहुल गांधी से मुलाकात के बाद यह कवायद गति पकड़ती नजर आ रही है। जल्द ही शिवसेना नेता संजय राऊत की राहुल गांधी से मुलाकात भी होगी। फिर शायद मुंबई में राहुल और उद्धव ठाकरे मिलेंगे। बेशक दलगत स्वार्थ और अहं के टकराव में बिखरे विपक्ष के हर दल-नेता में संपर्क-संवाद-समझदारी का महत्व है, लेकिन पवार और ठाकरे की भूमिका खास इसलिए है, क्योंकि पिछले दिनों हुए घटनाक्रम के बाद इनकी कांग्रेस से दूरी की अटकलें लगाई जाने लगी थीं। लेकिन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के चलते खरगे के घर बैठक में शामिल नहीं हो पाए पवार अगले दिन दिल्ली आकर उनसे और राहुल से मिले। एनसीपी सुप्रीमो ने साफ कर दिया कि विपक्षी एकता समय की मांग है और उस दिशा में हरसंभव प्रयास किया जाएगा। बीजेपी के साथ ही कांग्रेस से भी समान दूरी बनाने की वकालत करने में समाजवादी पार्टी और बीआरएस के अलावा तृणमूल कांग्रेस, आप और बीएसपी ज्यादा मुखर रही हैं। कांग्रेस के साथ इन दलों की संवादहीनता इस हद तक है कि किसी मध्यस्थ के जरिये ही बात हो सकती है। इसीलिए नीतीश कुमार को यह दायित्व सौंपा गया है कि वे इन दलों के नेताओं को कांग्रेस के साथ बातचीत के लिए बिठाने की भूमिका तैयार करें।

यह काम आसान नहीं है, लेकिन नीतीश के राजनीतिक अनुभव और छवि के मद्देनजर नामुमकिन भी नहीं माना जा सकता। तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की जल्दबाजी में आरजेडी तो नीतीश को राष्ट्रीय राजनीति में भेजने के लिए कब से उतावली है। विभाजित जनता परिवार के सदस्य अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और जयंत चौधरी की आरएलडी को कोई समस्या नहीं होगी, लेकिन मायावती का मन तो हमेशा चुनाव से पहले ही पता चलता है। दिल्ली के बाद पंजाब में भी सरकार बनाने और अब राष्ट्रीय दल का दर्जा पाने के बाद अरविंद केजरीवाल की महत्वाकांक्षाओं का छलांगें मारना स्वाभाविक है, लेकिन केंद्रीय जांच एजेंसियों का अंकुश उन पर लगा है। पिछले साल तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर भी बीआरएस बनाकर प्रधानमंत्री बनने के सपने देख रहे थे, लेकिन दिल्ली के शराब नीति घोटाले की जांच की आंच उनकी बेटी तक पहुंचने के बाद हालात बदले हैं। तेवर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भी बदले हैं, जिन्होंने पिछले महीने ही सागरदिघी विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस से हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के अगला लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान कर दिया था। तमिलनाडु और झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन में कांग्रेस शामिल है। वाम मोर्चा भी कांग्रेस से गठबंधन कर पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा विधानसभा चुनाव लड़ चुका है। इन सबके बावजूद एकता की राह सहज नहीं होगी। इन राज्यों में कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के बीच सीटों का बंटवारा खासा मुश्किल होगा। तृणमूल और वाम मोर्चा एक साथ कैसे आ सकते हैं? सवाल ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी का भी है। ये दोनों अकेले दम राज्य में सरकार बनाने में सक्षम हैं। दोनों अभी तक राष्ट्रीय राजनीति में तटस्थ भूमिका निभाते रहे हैं। जगन की वाईआरएस कांग्रेस ने तो वक्त-जरूरत राज्यसभा में मोदी सरकार की मदद भी की है। ऐसे में विपक्षी एकता की तस्वीर में सही और पूरे रंग भरने के लिए नीतीश को शरद पवार की जरूरत पड़ सकती है, जिन्हें महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार चलाने में ही नहीं, कांग्रेस-शिवसेना जैसे विपरीत ध्रुवों को भी साथ लाने में महारत हासिल है।

बड़बोले सत्यपाल की असत्य वाणी

बिक्रम उपाध्याय

राजनीति में कुछ लोग टूल्स के तौर पर इस्तेमाल होते हैं और कुछ लोग खुद को टूल्स के रूप में पेश कर इस्तेमाल किए जाने की दावत देते हैं। सत्यपाल मलिक दूसरी कैटेगरी में आते हैं। यह अलग बात है कि जो कीमत वे अपने लिए चाहते हैं, वह कोई दल देने को तैयार नहीं है। सपा, रालोद और कांग्रेस के लिए 2024 के आम चुनाव में प्रचार करने की स्वघोषणा के बाद भी कहीं से कोई तव्वजों नहीं मिली तो वे भाजपा और मोदी के खिलाफ मीडिया के टूल्स बनने के लिए तैयार हो गए। उनकी बातों को वही आज सबसे अधिक महत्व दे रहे हैं जो कभी उनके बड़बोलेपन का मजाक उड़ाते थे।

सत्यपाल मलिक जाट नेता रहे हैं, पर अब उनकी जगह वहां बनती नहीं। भाजपा के खिलाफ पश्चिमी उत्तर-प्रदेश में जो भी जाट राजनीति के अगुआ हैं उनको उनकी जरूरत नहीं। क्योंकि रालोद के नेता जयंत चौधरी अब अपनी पगड़ी खुद संभालने में लगे हैं और किसी को भी अपना नेता मानने के लिए तैयार नहीं होंगे। फिर जब यह तथ्य उनके सामने हो कि यही सत्यपाल मलिक 2004 में उनके पिता चौधरी अजित सिंह के खिलाफ भाजपा की ओर से लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं तो फिर उनको लेकर उनकी राजनीतिक उबासी समझी जा सकती है। इसलिए मलिक छटपटाहट में है। सो उन्होंने जाट लैंड में अपनी जगह बनाने के लिए मोदी विरोध का रास्ता चुना है।

प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ उनके पास कोई तथ्य नहीं, इसलिए वे भी बहुतों की तरह परसेप्शन बिगाड़ने के खेल में लग गए हैं। एक अंग्रेजी वेबसाइट ने संभवत: मलिक को इंटरव्यू के लिए चुना ही इसलिए कि वे कुछ सनसनीखेज बातें करेंगे। जिस पत्रकार ने बात की, उसकी पहचान ही मोदी के खिलाफ एजेंडा चलाने की है। इंटरव्यू दो बातें मुख्य रूप से सत्यपाल मलिक ने कही और अपनी बातों में खुद को ही उलझा लिया। एक तो पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों पर पाकिस्तान द्वारा हमले कराए जाने को भारत सरकार की चूक बताने पर और दूसरे प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार के मामले में मूक सहमत होने पर। सत्यपाल मलिक ने साक्षात्कार में यह कहा कि सीआरपीएफ को जवान ले जाने के लिए हवाई जहाज न देना हमारी चूक थी। इंटेलिजेंस का विफल होना भी हमारी कमी थी।

पुलवामा की घटना उनके कश्मीर के राज्यपाल पद पर रहते हुई। राष्ट्रपति शासन के दौरान किसी राज्यपाल के पास वही अधिकार होते हैं जो एक मुख्यमंत्री को होते हैं। जाहिर है जम्मू कश्मीर की पुलिस और लोकल इंटेलिजेंस दोनों उनके हाथ में थी। यदि उनका यह दावा कि %आरडीएक्स से लदी गाड़ी लेकर आतंकवादी कई दिनों से घूम रहा था% सही है, तो असफलता किसकी थी। स्थानीय पुलिस या स्थानीय खुफिया तंत्र की ओर से चूक हुई तो विफल कौन कहलाएगा? जो उनका नेतृत्व कर रहा होगा। यानी सीधे राज्यपाल सत्यपाल मलिक।

जिस विश्वास और भरोसे से प्रधानमंत्री ने मलिक को कश्मीर में राज्यपाल बनाकर भेजा उस भरोसे को तोड़ा किसने? सत्यपाल मलिक ने। फिर उसी साक्षात्कार में वह कहते हैं कि बिना पाकिस्तान के शामिल हुए स्थानीय स्तर पर उतना विस्फोटक जमा ही नहीं हो सकता, जितना कि सीआरपीएफ काफिले को उड़ाने में किया गया। फिर इसकी जिम्मेदारी सत्यपाल मलिक को ही लेनी चाहिए कि उनके राज्यपाल रहते, शासन प्रशासन के सभी अधिकार संपन्न होने के बावजूद पाकिस्तान से विस्फोटक यहां पहुंच गया। यह मानते हुए कि आरडीएक्स, पाकिस्तान ने भेजा, यह जानते हुए कि जिस आतंकवादी ने विस्फोट किया उसका सीधा संपर्क पाकिस्तान से था, फिर जहाज देने या ना देने के फैसले पर कयासबाजी लगाकर सत्यपाल मलिक ने केंद्र को कठघरे में क्यों खड़ा किया? उनकी हालिया सोच और उनके खुद के गणित मे शायद यह ठीक बैठता है। उन्होंने यह तय कर लिया है कि अब वह कांग्रेस और सपा के बीच कोई राजनीतिक जमीन तलाश करेंगे और यह तभी संभव है कि इन दोनों पार्टियों के एजेंडे के साथ चल लें। कांग्रेस के राजनीतिक एजेंडे में मोदी की हर उपलब्धि को विवादास्पद बना देना पहले से शामिल है। पुलवामा पर राहुल गांधी से लेकर दिग्विजय सिंह तक वीर जवानों की शहादत पर सवाल खड़े करते रहे हैं। ऐसे में भाजपा और खासकर मोदी को घेरने के लिए एक मोहरा बनने को सत्यपाल मलिक तैयार बैठे हैं।

सत्यपाल मलिक खुद दावा करते हैं कि जब उन्होंने कथित भ्रष्टाचार की जानकारी प्रधानमंत्री को दी तो उन्होंने उनका साथ दिया और उनके फैसले में कोई दखलंदाजी नहीं की। यह प्रधानमंत्री मोदी के भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टोलरेंस की हामी थी। फिर भी सत्यपाल मलिक ने यह जुमला जोड़ दिया कि उनके अनुसार मोदी जी को भ्रष्टाचार से परहेज नहीं है। उनका यह कथ्य भी उसी इको सिस्टम का सहयोग है, जो पिछले कई सालों से मोदी पर तरह तरह के आरोप लगाता रहा है और अदालती परीक्षणों व जन विश्वासों में लगातार विफल भी होता रहा है। सत्यपाल मलिक के बयानों और दावों को कांग्रेस ने भी एक तड़के के रूप में लिया है और एक दिन की सामग्री मानकर उसे मीडिया के सामने परोस दिया है।

सत्यपाल मलिक भारतीय राजनीतिक ग्लोब की पूरी परिक्रमा कर चुके हैं। 1974 में चौधरी चरण सिंह की पार्टी भारतीय क्रांति दल से विधायक और फिर 1980 में उसी पार्टी से राज्यसभा पहुंचने के बाद 1984 में कांग्रेस की ओर सरक लिए। राजीव गांधी की तरफदारी में उन्हें 1986 में कांग्रस की ओर से राज्यसभा की सीट मिल गई। फिर जब देखा कि कांग्रेस बोफोर्स कांड में फंस रही है तो फौरन पाला बदल लिया। वीपी सिंह के साथ जनता दल में चले गए और अलीगढ़ लोकसभा का चुनाव जीतकर मंत्री भी बन गए। फिर 2004 के चुनाव से पहले वह भाजपा में शामिल हुए और बागपत से चौधरी अजित सिंह के खिलाफ लोकसभा का चुनाव लड़ लिए। हारने के बाद भी भाजपा ने उनका सम्मान किया। बिहार, जम्मू-कश्मीर और मेघालय का राज्यपाल बनाया। मलिक अब फिर से हवा का रूख भांपने में लगे हैं और अपने लिए माहौल बनाने की कवायद कर रहे हैं।

सियासतदान अपनी जानिब नादान नहीं होते। पर बिना सोचे समझे किए जाने वाले कृत्य कई बार देश के लिए महंगे साबित होते हैं। अपनी राजनीतिक महात्वाकांक्षा के लिए देश को दांव पर लगाने वाले किसके हितैषी हो सकते हैं। यह सत्यपाल मलिक को भी सोचना चाहिए। जिस पुलवामा हमले पर पाकिस्तान पूरी दुनिया की नजर में आतंकवाद परस्त देश के रूप में पहचाना गया, जिसके लिए अमेरिका समेत तमाम बड़े देशों ने आगे आकर भारत की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए भारतीय सेना द्वारा की गई कार्रवाई का समर्थन किया। उसी पाकिस्तान ने सत्यपाल मलिक का बयान उद्धृत कर भारत को प्रोपेगेंडा चलाने वाले देश के रूप में पेश करने की चेष्टा की है। खुद को प्रधानमंत्री से भी ज्यादा जानकार, उनसे ज्यादा कर्मठ और ईमानदार होने का सत्यपाल मलिक का स्वांग बड़ी नादानी ही सिद्ध होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

शाण्डिल्यापोनषद् (भाग-07)

गतांक से आगे...

इस तरह से 43 दिन (त्रिचतु: = 43), तीन, चार या सात मास (त्रि चतु: सप्त) अथवा एक वर्ष (त्रिचतु: 3×4=12 मास) पर्यन्त त्रिकाल सन्ध्या के साथ तीन-तीन अथवा चार-चार बार तथा उनके मध्य में छ: बार तक अभ्यास करना चाहिए। इस अभ्यास से नाड़ी की शुद्धि हो जाती है। तदनन्तर इस अभ्यास से शरीर में हल्कापन, चेहरे में चमक (कान्ति), अग्नि की अभिवृद्धि तथा नाद श्रवण होने लगता है।

प्राण तथा अपान को एकत्रित कर देना ही प्राणायाम होता है। रेचक, पूरक तथा कुम्भक के भेद से प्राणायाम तीन तरह का होता है। वे रेचक, पूरक, कुम्भक (प्राणायाम) वर्ण के स्वरूप से युक्त हैं इस कारण प्रणव ही प्राणायाम कहलाता है।

पद्म आदि किसी भी आसन पर आसीन होकर पुरुष को ध्यान करना चाहिए- नासिका के अग्रभाग पर चन्द्रमण्डल की ज्योत्स्ना से आवृत, लाल रंग के अंगवाली, हंस पर आसीन, अपने हाथ में दण्ड को धारण किये हुए, बालरूप, अ कार मूर्ति से युक्त गायत्री हैं। उ कार मूर्ति सावित्री श्वेत-शुभ्र अंग से युक्त, गरुड़ के आसन पर प्रतिष्ठित युवावस्था से युक्त, अपने हाथ में चक्र धारण किये हुए हैं। इसी तरह से म कार मूर्ति सरस्वती कृष्णांगी, वृषभ पर आसीन वृद्धावस्था को प्राप्त, अपने हाथ में त्रिशूल को धारण किये हुए हैं। इस प्रकार अ कार आदि तीनों वर्णों का सम्मिलित रूप है तथा वह सम्पूर्ण का कारण एकाक्षर स्वरूप परम ज्योति है। ऐसा चिन्तन करना चाहिए। इस ध्यान के पश्चात् पुन: इड़ा नाड़ी के द्वारा बाहर की वायु सोलह मात्रा में खींचे तथा उस समय अ कार का ध्यान करना चाहिए। इसके बाद इसी वायु को चौंसठ मात्रा में अन्त: कुम्भक करे तथा उस समय उ कार का ध्यान करना चाहिए तथा उसके पश्चात् पिंगला नाड़ी के द्वारा बत्तीस मात्राओं से संयुक्त उस अन्दर भरी हुई वायु को बाहर निष्कासित करे। उस समय म कार मूर्ति का ध्यान करना चाहिए। इसी प्रकार से यह क्रिया निरन्तर बार-बार करते रहना चाहिए। इसके पश्चात् आसन के दृढ़ हो जाने पर योगी अपनी इन्द्रियों को वश में करके, दूसरों का हित चाहते हुए, स्वल्पाहार पर रहते हुए, सुषुम्ना नाड़ी में स्थित मल को शुष्क करने के लिए निरन्तर योगाभ्यास करता रहे। उस समय बद्धपद्मासन पर आरूढ़ हो, चन्द्र नाड़ी के द्वारा वायु को भरकर शक्ति के अनुसार कुम्भक करने के बाद सूर्य नाड़ी के द्वारा रेचक करना चाहिए। तदनन्तर सूर्यनाड़ी से पूरक करके कुम्भक करे तथा चन्द्र नाड़ी से रेचक करना चाहिए। इस प्रकार जिस नाड़ी के द्वारा रेचक करे, उसी नाड़ी से पुन: पूरक करने के बाद कुम्भक करना चाहिए। इस भाव को प्रकट करने वाले निम्न प्रकार के लेक वर्णित किये गये हैं- सर्वप्रथम इड़ा नाड़ी के द्वारा प्राण को अन्दर भरकर कुम्भक करे तथा दूसरी पिंगला नाड़ी से रेचक करे।

क्रमश:...

डायबिटीज और हाई बल्ड प्रेशर की जड़ है फैटी लिवर

देवेंद्रराज सुथार

यकृत यानी लिवर शरीर की एक बड़ी ग्रंथि है, जो पित्त का निर्माण करती है। यह पित्त खाना पचाने में बहुत अधिक योगदान करता है। लिवर हमारे शरीर में एक बार में कई काम एक साथ कर सकता है। यकृत से संबंधित बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 19 अप्रैल को विश्व यकृत दिवस मनाया जाता है। लिवर हमारे शरीर से गंदगी निकालने का भी काम करता है। यह न केवल रक्त को साफ करता है, बल्कि स्वाभाविक रूप से हमारे शरीर द्वारा उत्पादित जहरीले रसायनों को तोड़ता भी है। यकृत मस्तिष्क के बाद शरीर का सबसे जटिल और दूसरा सबसे बड़ा अंग है।

लिवर शरीर से हानिकारक और विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। यह वसा और प्रोटीन जैसे अन्य पोषक तत्वों को पचाने में भी मदद करता है। एक स्वस्थ जीवन के लिए लिवर का सही तरीके से काम करना बेहद जरूरी है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपनी सेहत पर बहुत अधिक ध्यान ही नहीं देते हैं। उनके खाने-पीने की आदतों के कारण उनका लिवर ठीक से काम करना बंद कर देता है। साथ ही शरीर में कई अन्य बीमारियों को भी जन्म देता है। कई बार लिवर में वसा जमने लगता है, जिसे आम भाषा में फैटी लिवर कहा जाता है। डायबिटीज और हाई बल्ड प्रेशर से ग्रस्त लोगों में लिवर की बीमारियां होना एक आम समस्या है। अगर लिवर की बीमारियों का समय पर इलाज न किया जाए तो कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। लिवर की बीमारी के लक्षणों में बेवजह वजन का घटना, पीलिया होना, भूख न लगना, पाचन में समस्या होना, थकान महसूस करना और बार-बार उल्टी आना आदि शामिल हैं। लिवर को स्वस्थ रखने लिए हमें वसामुक्त या बिना चिकनाई वाला भोजन करना चाहिए।

लिवर को लंबे समय तक स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है कि स्वस्थ जीवनशैली के साथ ही हमारा खान-पान भी अच्छा हो। नाश्ता जरूर करें, देर से सोना और देर से उठना बंद करें, शराब के सेवन से बचें, डिब्बाबंद भोजन के प्रयोग से बचें आदि। लहसुन और अदरक के नियमित प्रयोग से भी लिवर की कई बीमारियों से बचा जा सकता है। समय पर इलाज न होने पर यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है।

लिवर को स्वस्थ रखने के तरीके

लिवर का काम शरीर को डिटॉक्स करना है। ऐसे में यदि आप अनहेल्थी चीजों का सेवन करते हैं तो इससे लिवर का कार्य प्रभावित होता है और उसके खराब होने का खतरा बढ़ सकता है। अनहेल्थी खाद्य पदार्थ लिवर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में आप धूम्रपान, एल्कोहल, जंक फूड, प्रोसेस फूड, फास्ट फूड आदि से दूर रहें। व्यक्ति को नियमित रूप से एक्सरसाइज करनी चाहिए। एक्सरसाइज करने से न केवल शरीर स्वस्थ रह सकता है बल्कि लिवर की चर्बी भी कम हो सकती है। एक्सरसाइज करने से लीवर के काम पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लिवर को स्वस्थ रखने के लिए वजन का नियंत्रित होना भी बेहद जरूरी है जो लोग मोटापे से परेशान हैं उनके शरीर में फैटी लीवर की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में वजन को कंट्रोल रखकर लीवर को स्वस्थ बनाया जा सकता है।

ताइवान विवाद को लेकर चीन पर बंटा यूरोप

रहीस सिंह

अप्रैल 2023 के पहले सप्ताह में फिनलैंड 31वें सदस्य के रूप में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नैटो का हिस्सा बन गया। इसके साथ ही नैटो की रूस के साथ साझा सीमा की लंबाई दोगुनी हो गई। अब नैटो के सदस्य देश पहले के मुकाबले रूस के चारों तरफ दोगुना बड़ा घेरा बनाने में कामयाब हो गए। ऐसे में एक सवाल यह है कि नैटो का उद्देश्य क्या है?

वैसे ब्रसेल्स से नैटो फिनलैंड को लेकर जो संदेश देना चाहता था, वह नहीं दिखा। उलटे सदस्य देश इसे लेकर उलझन में थे। इसकी झलक जर्मन विदेश मंत्री की ताइवान यात्रा और फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों की पेइचिंग यात्रा में दिखी। मैक्रों की चीन-ताइवान के मुद्दे से यूरोप को दूर रहने की सलाह का यूरोपीय कमिशन के निर्णय से अलग होना जर्मन पहल के विरुद्ध कुछ तो संदेश देता है। संदेश यही है कि चीन-ताइवान पर न केवल जर्मनी और फ्रांस की दिशाएं अलग-अलग हैं बल्कि यूरोपीय एकता भी दिखावे की ही नजर आ रही है। क्या इसका मतलब यह है कि यूरोपीय एकता के पैमाने देश और क्षेत्र सापेक्ष हैं? यानी किसी छोटे देश के लिए अलग, रूस के लिए कुछ और अलग तथा चीन के लिए पूरी तरह से अलग। एक सवाल यह भी है कि बर्लिन की दीवार के गिरने और सोवियत संघ के बिखरने के बाद ग्लोबलाइजेशन के नाम पर अमेरिकी नेतृत्व में बाजारवादी पूंजीवाद के थोपे जाने के पश्चात भी क्या नैटो की प्रासंगिकता शेष थी? क्या नैटो के बने रहने तक शीत युद्ध को पूरी तरह से समाप्त माना जाना तकनीकी रूप से उचित था? जो भी हो, फिनलैंड को शामिल कर यह संदेश देने की कोशिश हुई कि नैटो फौज में और 2,80,000 सिपाहियों के आने से रूस

को और ज्यादा डरना शुरू कर देना चाहिए, लेकिन क्या ऐसा हुआ?

सच तो यह है कि उसी समय क्रेमलिन में शी चिनफिंग की उपस्थिति ने कुछ और ही संदेश दिया। परिणाम यह हुआ कि दुनिया इसके बाद यूरोप की तरफ कम और मॉस्को-पेइचिंग की तरफ ज्यादा उत्सुकुता से देखने लगी। इसका कारण भी है। पिछले एक साल से जो टकराव रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा है, वह सही अर्थों में रूस-चीन बनाम अमेरिका और पश्चिम है। यूक्रेन तो केवल युद्ध का मैदान भर है।

देखना यह है कि इससे एशिया और इंडो-पैसिफिक (हिंद-प्रशांत) किस तरह से प्रभावित होंगे। सच तो यह है कि यूरोप हो या रूस, वहां संपन्न होने वाली प्रत्येक गतिविधि हिंद-प्रशांत को प्रभावित करेगी। वहीं, अगर रूस-चीन और पश्चिम के बीच टकराव यूक्रेन से बाहर निकलकर कुछ अन्य क्षेत्रों तक पहुंचता है, तो टारगेट कौन होगा? चीन और रूस या पेरिस और लंदन तो नहीं ही होंगे। फिर यूक्रेन जैसा कोई दूसरा देश होगा। अभी यह देश ताइवान ही लग रहा है। एक बात और, वैश्विक अर्थव्यवस्था जब सुस्त पड़ी हो, तब यूरोप में बैठकर फिनलैंड के नैटो में शामिल होने का जश्न मनाना और सदस्य देशों पर जीडीपी का 2 प्रतिशत रक्षा खर्च करने का दबाव बनाना, कहां तक प्रासंगिक है। किसी की चिंता यूरोप में ऊर्जा संकट, लड़खड़ा रही सप्लाई लाइन, कोविड के खिलाफ अधूरी लड़ाई, बेरोजगारी और इन्फ्लेशन को लेकर क्यों नहीं दिख रही? आखिर नैटो देश कैसी विश्व व्यवस्था चाहते हैं? आज जर्मनी, इटली, तुर्किये, फ्रांस, ब्रिटेन आदि की अर्थव्यवस्थाएं अत्यधिक दबाव में हैं, जिससे यूरोपीय एकता दरकती हुई दिख रही है। लेकिन इन देशों का ध्यान युद्ध पर है।

अंतिम बात यह कि वुहान वायरस थिअरी के उभार और चीन की जीरो कोविड नीति की असफलता के बावजूद यूरोपीय देश चीन पर विश्वास को लेकर भ्रम की स्थिति में रहे। उन्होंने चीन से सामान की सप्लाई बेधड़क होने दी। इसी की झलक है कि यूरोप में बैठकर नैटो के सदस्य देश चीन पर फोकस कर रहे हैं, जबकि उसी संगठन के कुछ देश चीन जाकर चिनफिंग के गले मिल रहे हैं। अप्रैल की शुरुआत में यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला फोन डेय लायन और मैक्रों तीन दिन की पेइचिंग यात्रा पर थे। चीन से लौटने के बाद मैक्रों ने एक फ्रांसीसी अखबार से बातचीत में कहा कि ताइवान के मुद्दे पर यूरोपीय संघ को किसी ब्लॉक का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। ब्लॉक से उनका अर्थ अमेरिका और चीन से था। इसका मतलब साफ है कि अमेरिका अब यूरोप में दूसरे विश्वयुद्ध के ठीक बाद वाली स्थिति में नहीं है, नहीं तो चीन के मुद्दे पर यूरोप बंटा हुआ क्यों दिखता? यदि यूरोप में अमेरिका को लेकर इतना रूखापन है तो फिर नैटो के विस्तार का अर्थ क्या है? क्या फ्रांस जैसा देश अमेरिका को यह बताना चाहता है कि बीते दो दशकों में चीन, यूरोपीय संघ की अर्थव्यवस्थाओं के लिए इंजन साबित हुआ है, जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था डि-कपल्ड होकर अपने ही बोझ के नीचे दब चुकी है? अब यदि यूरोप, चीनी अर्थव्यवस्था के साथ बेहतर बॉन्डिंग में (कपल्ड) है, तो वह चिनफिंग की रूस के साथ 'नो-लिमिट्स फ्रेंडशिप' को किस तरह देखना चाहेगा? ऐसा लगता है कि चीन-रूस की 'नो लिमिट्स' वाली मित्रता को जानने के बाद भी यूरोप चीन के लिए 'रेड लाइन' खींचने की हैसियत में नहीं है। फिलहाल रूसी विरोध के जुनून ने अमेरिका और यूरोप को वहां लाकर खड़ा कर दिया है, जिसे एक नए शीत युद्ध का प्रस्थान बिंदु कह सकते हैं। इसके लिए दोषी केवल रूस नहीं है, अमेरिका, जर्मनी और ब्रिटेन भी हैं। है तो चीन भी, लेकिन वह यूरोप पर इतना भारी पड़ता दिख रहा है कि उसकी एकता भी उसके खिलाफ आदर्श के टोटके करती दिख रही है।

गांधी आज

साहूकारी (भाग-01)

थोड़े ब्याज पर रुपया लेकर अधिक ब्याज उपजाने में लगाना ब्याज-बट्टा अथवा साहूकारी कहाता है। पर समाज हित के लिए जो साहूकारी अनिवार्य है वह इस तरह की नहीं है। आज जिस प्रकार का ब्याज बट्टा दुनिया में चल रहा है वह या तो विदेशी व्यापारियों की दलाली या आढ़त का पेशा है, अथवा किसान तथा दूसरे धंधे करनेवालों की जमीन जायदाद और माल मिल्कियत या इससे भी आगे बढ़े तो पर राज्यों को धीरे-धीरे पचा जाने के खोटे उपाय है। यूरोप -अमेरिका-सरीखे देशों में भी अधिक ब्याज के लोभ ने अपने देश के गरीबों के हित की उपेक्षा करके विदेशों में रुपया लगाने की प्रवृत्ति पैदा कर दी है। इससे धनी देशों में भी कष्ट बना रहता है।

रोजगार में झूठ बोलने में दोष नहीं है यह मानना भयंकर अधर्म की बात है। अपढ़, भोले और विश्वासपरायण लोगों अथवा विलासलिप्त अमीरों या राजा-रईसों को बुरे खर्चों और व्यसनों में पड़ने को प्रोत्साहित कर उन्हें कर्ज में फँसाना, देन लेन के व्यवहार में उन्हें ठगना, झूठे बहीखाते और दस्तावेज बनाना साहूकारी नहीं बल्कि ज्वलंत पाप और हिंसा है।

ऐसे अधर्म भरे व्याज बट्टे के रोजगार से अर्थ नहीं बल्कि अनर्थ की वृद्धि हुई है। 6. मनुष्य को अपनी बचत की पूँजी किसी उद्योग-धंधे की सहायता में लगानी चाहिए। यह पहले स्वदेश में ही लगनी चाहिए। उद्योगों में लगाने के बाद भी बचे तो सबसे पहले स्वदेश के सार्वजनिक हित के कामों को बढ़ाने में उसका उपयोग होना चाहिए। पूँजी को कायम रखकर उसके ब्याज से ही जनहित के कार्य होने चाहिए, यह विचार सदा सही नहीं होता। इस विचार के कारण पूँजी का अधिक से अधिक उपयोग करने के बजाय अधिक से अधिक ब्याज कमाने की वृत्ति पैदा हुई है। कौटुम्बिक कार्य ब्याज पर रुपया लेकर करने की मनाही होनी चाहिए। सामाजिक रस्म-रिवाजों में इस तरह का सुधार होना चाहिए कि वे कम से कम खर्च में हो सकें।

क्रमश:...

संक्षिप्त समाचार

प्रितपाल बेलचंदन डोंगरगढ़ विधानसभा के प्रभारी बने

दुर्ग। जिला सहकारी केन्दीय बैंक दुर्ग के पूर्व अध्यक्ष प्रितपाल बेलचंदन को भाजपा संगठन ने डोंगरगढ़ विधानसभा का प्रभारी बनाया गया है। इस नियुक्ति पर श्री बेलचंदन ने कहा कि पार्टी जो भी जवाबदारी देगी उसे पूरी निष्ठा व ईमानदारी से पूरा करूगा।इनकी नियुक्ति पर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने हर्ष ब्यक्त किया है?

घर में सो रहे मजदूर पर भालू ने किया हमला, गंभीर रूप से घायल

कांकेर। कांकेर वन परिक्षेत्र अंतर्गत बेवरती में घर में सो रहे एक व्यक्ति पर मादा भालू ने हमला कर दिया। भालू के हमले से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वन परिक्षेत्र अधिकारी संदीप सिंह ने बताया कि बेवरती में रहने वाला गणेश राम जैन अपने घर मे सो रहा था। करीब दो बजे रात को मादा भालू ने उस पर हमला कर दिया। गणेश राम के कमर और सिर में गंभीर चोट आई है। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जंहा उसका इलाज जारी है।

एक करोड़ की लागत से स्टेशन मरोदा में आकर्षक तालाब का निर्माण हुआ

रिसाली। नगर पॉलिक निगम रिसाली के स्टेशन मरोदा मे उमरपोटी नहर मार्ग पर शीतला मन्दिर के ठीक सामने गृह मन्त्री ताम्रध्वज साहू की अनुशसा से एक करोड़ रुपये की लागत से आकर्षक तालाब का सौंदर्यकरण कार्य लगभग पूरा हो गया है। जिसकी छटा अब पानी भरने के बाद बहुत निराली लग रही है। बताया जाता है कि नागरिकों ने गृह मंत्री से माँग की थी यह तालाब तीन चार वार्डो के नागरिकों के निस्तार का प्रमुख स्थल है। जिसे नहाने धोने के अनुकूल आकर्षक बनाया जाये। अंततः आम जनता की मांग पर अब तालाब का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है।जिसकी सोभा अब पानी भरने के बाद देखते बनती है।

रिसाली कालेज के जनभागीदारी समिति की बैठक आज

रिसाली। शासकीय नवीन महाविद्यालय रिसाली के जनभागीदारी समिति के गठन पश्चात समिति की पहली बैठक कल 19 अप्रैल की सुबह 11.30 बजे महाविद्यालय में रखी गयी है।जिसमें जनभागीदारी शुल्क निर्धारण , लेखा संबंधी कार्य हेतु कर्मचारी की नियुक्ति , मानदेय , महाविद्यालय में अध्यापन कक्षाओं के विस्तार व महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन हेतु विभिन्न आवश्यकताओं पर चर्चा होगी।यह जानकारी समिति की अध्यक्ष डॉ सीमा साहू ने दी।

बरातियों से भरी बस और ट्रैक्टर के बीच जोरदार भिड़ंत, 8 घायल

महासमुंद। जिले में बीती रात भयानक सड़क हादसा हुआ है. जहां बस और ट्रैक्टर के बीच आमने-सामने की भिंड़त हुई है. घटना में 7 से 8 लोग घायल हुए हैं. घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमगांव ले जाया गया है। मामला तुमगांव थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, एनएच-53 पर कोडार काष्ठागार के पास बस और ट्रैक्टर के बीच जोरदार भिड़ंत हुई है. हादसे में 7-8 लोग घायल हुए हैं. सभी का इलाज जारी है. गनीमत ये है कि, घटना में किसी की मौत नहीं हुई. हादसा उस वक्त हुआ जब बरातियों से भरी बस पचरी से तुमगांव आ रही थी. वहीं ट्रैक्टर कोडार काष्ठागार से लकड़ी लेकर आ रहा था।

अंततः रूही सरपंच के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव पारित

पाटन। पाटन ब्लाक के सबसे चर्चित ग्राम पंचायत रूही की सरपंच कुमारी भारती जांगडे के खिलाफ़ पंचों द्वारा लाया गया अविस्वास प्रस्ताव अंततः पारित हो गया। पक्ष मे ग्यारह मत व विपक्ष में मात्र दो मत पड़े। लेकिन उपसरपंच हितेंद्र कुमार पटेल ने मतदान में भाग नही लिया। नोडल अधिकारी नायब तहसीलदार आलोक वर्मा थे। मतदान मे भाग लेने वालो में प्रमुख रूप से सरपंच कु भारती जांगडे,पंच श्रीमती चम्पाबाई वर्मा, रामकुमार सिंगौर, रतनू यादव, लक्ष्मण प्रसाद, श्रीमती रंजीता सिंगौर, श्रीमती चन्द्रकला सिंगौर, श्रीमती लता बाई कौशिक, श्रीमती सुनिता बाई, श्रीमती बसंती बाई, भोलाराम सिंगौर, श्रीमती रत्ना बाई, मुकेश कुमार प्रमुख थे।

कवासी लखमा ने पुल का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने दिया निर्देश

सुकमा। उद्योग एवं आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने आज ओड़िसा से सुकमा छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाली निर्माणाधीन मोटा पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने पुल संबंधित निर्माण कार्यों के बारे में जानकारी ली। केबिनेट मंत्री ने पुल का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। ताकि लोगों को आने जाने में कोई परेशानी न हो। साथ ही कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक श्री कवासी लखमा ने कोंटा स्थित श्री रामलिंगेश्व स्वामी नयापारा शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष बोडू राजा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री सुन्नम नागेश, माड़वी देवा, श्री वेको हूंगा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कक्षा 6वीं की प्रवेश चयन परीक्षा 29 को

सुकमा। जवाहर नवोदय विद्यालय कुम्हाररास सुकमा-2 में कक्षा 6वीं के लिए प्रवेश चयन परीक्षा का आयोजन 29 अप्रैल 2023 को 9 परीक्षा केन्द्रों में प्रातः 10:30 बजे से आयोजित होगी। जिनमें सुकमा विकासखण्ड के 3 और छिन्दगढ़ विकासखण्ड के 6 केन्द्र शामिल है।

दीक्षांत एक पुलिस अधिकारी के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण: मुख्यमंत्री

अपनी माटी का कर्ज चुकाने की भावना के साथ पुलिस में भर्ती होते हैं युवा: मुख्यमंत्री

■ **उप पुलिस अधीक्षकों के बारहवें बैच के दीक्षांत परेड समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री**

रायपुर। दीक्षांत एक पुलिस अधिकारी के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण होता है, प्रशिक्षण एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है, इस अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान हर दिन आपने कुछ न कुछ नया सीखा है। आपने पुलिस विभाग को सेवा के लिए चुना है, यह सराहनीय है।उक्त बातें मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी में प्रशिक्षणरत डीएसपी के बारहवें बैच के दीक्षांत समारोह के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने प्रशिक्षण लेकर अकादमी से जाने वाले पुलिस अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि वे अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा एवं ईमानदारी से करेंगे। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज चंदखुरी स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस पुलिस एकेडमी में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों के दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुए। चंदखुरी में बारहवें बैच के 25 प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षकों ने पासिंग आउट परेड में हिस्सा लिया। मंगलवार को सुबह 9.00 बजे मुख्यमंत्री श्री बघेल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए और परेड की सलामी ली। सलामी के बाद मुख्यमंत्री श्री बघेल ने परेड का निरीक्षण किया ।दीक्षांत परेड समारोह में गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, नगरीय विकास मंत्री डॉ शिव कुमार डहरिया और छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक श्री अशोक जुनेजा के साथ पुलिस के सभी वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मिलित हुए। परेड के मार्च पास्ट के बाद निदेशक, पुलिस अकादमी श्री रतन लाल डांगी ने इस अवसर पर स्वागत भाषण दिया और प्रतिवेदन का वाचन किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमारा राज्य लगातार प्रगति कर रहा है,राज्य के नक्सली हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों से भी अब अच्छे संकेत आने लगे है और यह सब पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली व मुस्तैदी से संभव हुआ है। विभाग के अधिकारियों ने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से जो सकारात्मक स्थिति निर्मित की है, उसे नए अधिकारियों को और आगे बढ़ाना है व समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस में सद्भावना पूर्ण व्यवहार और समाधान का नजरिया होना चाहिए। पुलिस में युवा केवल आजीविका के लिए नहीं, अपनी माटी का कर्ज चुकाने की भावना के साथ आते हैं। जब पुलिस अधिकारी-कर्मचारी अपना सर्वस्व न्यौछावर करने की भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, तभी हम अपने घरों में सुरक्षित रह पाते हैं।

श्री बघेल ने कहा कि पुलिस अधिकारी नवाचार के प्रति जागरूक रहते हुए नई तकनीकों को अपनाने के लिए तत्पर रहें व नवाचार के माध्यम से समाज को अपने साथ जोड़ने का प्रयास करें। पुलिस के अधिकारियों-कर्मचारियों को विषम परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। राज्य सरकार उनके परिजनों को सुविधा और सुरक्षा मुहैया कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कर्तव्य निर्वहन के दौरान अधिकारी सदैव पुलिस आचरण संहिता के प्रावधानों का ध्यान रखें और उन पर अमल करने का प्रयास करें।दीक्षांत समारोह के मौके पर प्रदेश के गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री बघेल की अगुवाई में हमारा प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है और हम तरक्की की राह पर अग्रसर हैं। उन्होंने नए पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ये अवसर हर किसी के मन में उत्साह जागृत करता है और आज दीक्षांत हासिल करने के बाद ये अधिकारी इस योग्य हो गए हैं कि चुनौतियों को स्वीकार कर सकते हैं। श्री साहू ने प्रशिक्षु अधिकारियों को अपनी सेवाएं देने के लिए पुलिस विभाग को चुनने पर उन्हें बधाई दी। श्री साहू ने कहा कि हमारा राज्य लगातार प्रगति कर रहा है और पुलिस के अधिकारियों कर्मचारियों की कठोर मेहनत से अब नक्सली हिंसा वाले इलाकों से भी सकारात्मक माहौल निर्मित हुआ है।

विधायक के काफिले पर नक्सली हमला, कोई नुकसान नहीं

बीजापुर। नक्सल संवेदनशील क्षेत्र गंगालूर के बाजार में नुक्कड़ सभा के बाद वहां से लौटते हुए बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी के वाहनों के दल पर नक्सलियों ने गोलीबारी की है। एक सप्ताह पहले पदेड़ा गांव के समीप जंगल में जिस जगह पर नक्सलियों ने ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के दो टिप्पर में आगजनी की थी। मंगलवार की शाम करीब चार बजे उसी जगह पर दल में शामिल जिला पंचायत सदस्य पार्वती कश्यप की वाहन टोयोटा अर्बन कूजर पर फायरिंग की गई है।

वाहन के पहिए पर गोली लगने से वह फट गया, जिसके बाद वाहन चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी को उसी अवस्था में पीछे ले जाकर पदेड़ा गांव में रोक दिया। इस घटना में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। विधायक मंडावी ने कहा कि उन्हें इस बात की सूचना बीजापुर पहुंचने के बाद मिली है और उनके दल में शामिल सभी सुरक्षित हैं। एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि घटना की सूचना मिली है पर अभी तक पुलिस में आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है। मामले की विवेचना के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

जिपं सदस्य पार्वती कश्यप ने बताया कि नुक्कड़ सभा के बाद सभी अपने-अपने वाहन में बैठकर जिला मुख्यालय की ओर निकल गए। सबसे आगे विधायक विक्रम मंडावी की गाड़ी निकली। इसके पांच मिनट बाद वे वहां से निकली। गंगालूर से दस किमी आगे चलकर पदेड़ा गांव पार करते ही चार-पांच वर्दीधारी नक्सली जंगल से निकलकर सामने आए और वाहन पर फायरिंग शुरु कर दी। एक गोली टायर में लगी, जिससे वह फट गया। वाहन चालक ने तुरंत ही गाड़ी को पीछे लेकर पदेड़ा गांव में वाहन को रोका।

छत्तीसगढ़ में औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा

रायपुर। राज्य में छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनांतर्गत औषधीय पौधों की खेती को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत वर्तमान में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में जलवायु के अनुकूल प्रजातियों का चयन कर लगभग 1000 एकड़ से अधिक रकबा में औषधीय प्रजातियों का कृषिकरण कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में वर्तमान में पायलट परियोजना अंतर्गत लेवेंडर की खेती के लिए छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग में अम्बिकापुर, मैनपाट, जशपुर और रोजमेरी मध्य क्षेत्र बस्तर तथा मोनाड़ा सिट्रोडोरा का कृषिकरण कार्य को बढ़ावा देने चिन्हांकित किया गया है। औषधीय एवं सुगंधित प्रजातियों के कृषिकरण कार्य से किसानों को परंपरागत खेती से दोगुना अथवा इससे भी अधिक लाभ प्राप्त होता है।

औषधीय पादप बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जे.ए.सी. राव ने बताया कि नेशनल एरोमा मिशन योजना अंतर्गत राज्य में छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं पादप बोर्ड के सहयोग द्वारा औषधीय एवं सुगंधित पादपों का कृषिकरण कार्य जारी है। इस मिशन योजनांतर्गत लेमनग्रास, सीकेपी-25 (नींबू घास) का कृषिकरण किया जा रहा है। योजनांतर्गत मुख्य रूप से कृषक समूह तथा किसानों को कृषिकरण की तकनीकी जानकारी, रोपण सामग्री की उपलब्धता तथा आश्वन मशीन उपलब्ध कराने जैसे हर तरह की मदद दी जा रही है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य में लगभग 12 समूहों द्वारा कार्य किया जा रहा है, जिसमें एक समूह जिला महासमुंद अंतर्गत ग्राम-चुरकी, देवरी, खेमड़ा, डोंगरगांव, मोहदा व अन्य स्थानों पर कृषिकरण प्रारंभ किया जाकर आश्वन यंत्र के माध्यम से तेल को निकाला जा रहा है। वहां आश्वन यंत्र भी स्थापित किया गया है। लेमनग्रास के कृषिकरण उपरांत प्राप्त होने वाले लाभ परंपरागत कृषि से लगभग दो गुना से ज्यादा है। उक्त योजनांतर्गत छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा विपणन कार्य हेतु पूर्व में भी योजनाबद्ध तरीके से उत्पादों को विक्रय करने हेतु विभिन्न संस्थानों से करारनामा किया गया है, जिससे कृषकों को अपने उत्पादों को विक्रय करने में कोई परेशानी न हो।

इसी तरह जिला गरियाबंद अंतर्गत समूह द्वारा कार्य प्रारंभ किया गया है। जिसमें बड़ी संख्या में किसानों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर वर्तमान में औषधीय एवं सुगंधित पादपों के कृषिकरण हेतु क्षेत्र का भ्रमण किया गया है। इनमें जिला धमतरी, बस्तर, पेण्ड्रा, दुर्ग के कृषकों के द्वारा 04 समूह तैयार कर निकट भविष्य में औषधीय एवं सुगंधित पादपों का कृषिकरण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने आयुर्वेद कॉलेज में पीजी ब्लॉक का किया लोकार्पण

■ **स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए 12.33 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है नया भवन**

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने आज रायपुर के श्री नारायण प्रसाद अवस्थी शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए नवनिर्मित भवन (पीजी ब्लॉक) का लोकार्पण किया। महाविद्यालय परिसर में सीजीएमएससी द्वारा 12 करोड़ 33 लाख 25 हजार रूपए की लागत से इसका निर्माण किया गया है। लोकार्पण कार्यक्रम में विधायकद्वय श्री विकास उपाध्याय और श्री कुलदीप जुनेजा, महापौर श्री एजाज ढेबर, चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव श्री प्रसन्ना आर. और आयुष विभाग के संचालक श्री पी. दयानंद भी शामिल हुए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री सिंहदेव ने लोकार्पण के बाद आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों से चर्चा भी की। उन्होंने यहां अध्ययनरत अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट छात्र-छात्राओं से महाविद्यालय में अध्यापन और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। लोकार्पण कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. जी.एस. बघेल और रजिस्ट्रार डॉ. संजय शुक्ला सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण और छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भेंट मुलाकात के लिए अधिकारियों को पर्याप्त व्यवस्था करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर आगामी भेंट मुलाकात कार्यक्रम के लिए संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओ मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना,धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर,मुख्यमंत्री मितान योजना, राजीव गांधी युवा मितान क्लब,नियमतीकरण,ऑन लाइन भवन अनुज्ञा,छत्तीसगढ़ ऑलोम्पिक,मोर जमीन मोर मकान (बी.एल.सी.),मोर मकान मोर आस (किरायेदारी),मोर मकान मोर चिन्हारी (ए.एच.पी.),गोधन न्याय योजना,विद्युत बिल हाफ योजना,राशन कार्ड,सेजेस,सुपोषण अभियान,डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना,मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना,नोनी सशक्तिकरण योजना,मृत्यु सहायता योजना और बेरोजगारी भत्ता योजना के क्रियान्वयन एवं प्रगति पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।इस अवसर नगर निगम आयुक्त श्री मयंक चतुर्वेदी,अपर कलेक्टर श्री बी.सी. साहू एवं श्री बी.बी. पंचभाई सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

भिलाई निगम आयुक्त ने ली शहरी विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

भिलाई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा भिलाई में विकास कार्यों के लिए की गई घोषणाओं को शीघ्रता से पूर्ण कराने आज महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने निगम के अधिकारियों की बड़ी बैठक ली। बैठक में महापौर एवं आयुक्त ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा भिलाई के विकास कार्यों के लिए की गई घोषणाओं को शीघ्रता से पूर्ण किया जाना है, इसके लिए उन्होंने बैठक में घोषणाओं के अनुरूप कार्यों की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की। बैठक में समस्त जोन के अभियंता मौजूद रहे। इस दौरान शहर विकास के महत्वपूर्ण कार्यों की गहन समीक्षा भी बैठक में की गई। सभी अभियंताओं को अलग-अलग प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी भी बैठक में सौंपी गई है ताकि प्रोजेक्ट को लेकर प्रगति में इजाफा हो और अतिशीघ्र कार्य पूर्ण किया जा सके। शहर के विकास के लिए कई सारे प्रोजेक्ट पर अमल किया जा रहा है। सभी अभियंताओं से बारी-बारी से मुख्यमंत्री जी की घोषणाओं से संबंधित कार्यों तथा निगम के महत्वपूर्ण विकास कार्यों को लेकर समीक्षा की गई। लोगों की सुविधाओं को देखते हुए सड़कों के डामरीकरण कार्य का काम महापौर एवं आयुक्त ने शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश बैठक में दिए हैं। प्रगति रत प्रमुख कार्यों की समीक्षा लेते हुए कार्य को समय सीमा के भीतर गुणवत्ता पूर्ण तरीके से करने कहा गया हैं। अप्रारंभ व लंबित कार्य की भी रिपोर्टिंग सबंधित अभियंता से ली गई तथा प्रोग्रेस लाने आवश्यक निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री जी की घोषणाओं के कार्य तथा शहर विकास के लिए प्रमुख कार्यों के तहत बैठक में विशेष रुप से सड़क डामरीकरण कार्य, गारमेंट फैक्ट्री, बीपीओ कॉल सेंटर, अर्बन इंडस्ट्रियल पार्क, सुपेला अस्पताल का रिनोवेशन कार्य, सेंट्रल लाइब्रेरी निर्माण कार्य तथा तारामंडल निर्माण कार्यों को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। आज की बैठक में प्रमुख रूप से अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी, कार्यपालन अभियंता संजय शर्मा, संजय बागड़े, चंद्रकांत सिंह परघनिया, कुलदीप गुप्ता, लेखा अधिकारी जितेंद्र ठाकुर तथा सभी जोन के सहायक अभियंता एवं उप अभियंता आदि मौजूद रहे।

प्रत्येक पंजीकृत श्रमिक को श्रम विभाग की योजनाओं की जानकारी दी जाए-मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने श्रम, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास और सामान्य प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की

रायपुर। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रम में श्रम, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग और सामान्य प्रशासन विभाग के कार्यों की गहन समीक्षा की। मुख्य सचिव ने श्रम विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक पंजीकृत श्रमिक को उनके लिए संचालित योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें लाभान्वित किया जाए।

मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के तहत श्रमिकों को आवास निर्माण अथवा नवीन आवास क्रय करने हेतु योजनाबद्ध कार्य करने के निर्देश श्रम विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। बैठक में वन अधिकार अधिनियम के तहत व्यक्तिगत और सामुदायिक वन अधिकार के अंतर्गत हुई प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने वन अधिकार अधिनियम के तहत लाभान्वित हितग्राहियों को राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश अनुसूचित जाति विभाग के अधिकारी को दिए गए है। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू मौजूद थे।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की

योजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने वन अधिकार अधिनियम के तहत व्यक्तिगत और सामुदायिक वन अधिकार मान्यता पत्रों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि व्यक्तिगत वन अधिकार के तहत अनुमोदित और स्वीकृत दावों की संख्या करीब 4 लाख 67 हजार 569 है। हितग्राहियों को 4 लाख 61 हजार 377 वन अधिकार पत्र वितरित कर दिए गए हैं। हितग्राहियों को करीब 3 लाख 74 हजार 628 हेक्टेयर से अधिक भूमि वितरित की गई है। इसी तरह से सामुदायिक वन अधिकार के तहत अनुमोदित और स्वीकृत दावों की संख्या करीब 47 हजार 391 है। सामुदायिक वन अधिकार के तहत अब तक 47 हजार 91 से अधिक वन अधिकार पत्रों का वितरण हितग्राहियों को कर दिया गया है और 20 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि हितग्राहियों को वितरित कर दी गई है। इसी तरह से सामुदायिक वन संसाधन अधिकार के तहत 4 हजार 19 दावों स्वीकृत किए गए हैं और करीब 3 हजार 974 हितग्राहियों को 17 लाख 34 हजार 163 हेक्टेयर भूमि हितग्राहियों को वितरित की दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत वितरित भूमि में विभिन्न विभागों के अभिसरण से भूमि समतलीकरण, मेड़ बंधान, पशुपालन हेतु शेड, सिंचाई के लिए नलकूप-कुआं, स्टापडेम, पशुपालन और कुक्कुट पालन, बकरी पालन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना, आदान सहायता, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, कृषि ऋण सहित राज्य शासन की अन्य कल्याणकारी योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। आदिवासी उपयोजना क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों की आदिवासी पुरातन, संस्कृति को संरक्षित करने तथा श्रद्धा स्थलों में देवगुड़ी, ग्राम देवता स्थलों पर विभिन्न निर्माण एवं मरम्मत तथा रख-रखाव के कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्रामों के लिए प्रत्येक ग्राम हेतु 5 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की जाती है।

इसके तहत वर्ष 2022-23 में 717 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना के तहत बस्तर संभाग, सरगुजा संभाग और प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समाज के परबों के उत्तम आयोजन के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत को 10 हजार रूपए प्रदान करने की घोषणा मुख्यमंत्री द्वारा की गई है। इसके तहत वर्ष 2023-24 में नवीन मद के रूप में 5 करोड़ रूपए के राशि का प्रावधान किया गया है। मुख्य सचिव ने आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत आने वाले छात्रावास एवं आश्रमों की मरम्मत, रख-रखाव तथा पेंटिंग कार्य की समीक्षा में अधिकारियों ने बताया कि करीब 500 आश्रमों और छात्रावासों में भवनों की गोबर पेंट से रंगाई-पोताई और मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश भीषण गर्मी के चपेट में कई जिलों तापमान 44 डिग्री के पार

रायपुर। छत्तीसगढ़ मेंगर्मी ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है. सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं से लोग अब परेशान होने लगे हैं. दोपहर के वक्त ऐसा लगता है कि सूरज आग उगलने लगा है। छत्तीसगढ़ के लगभग सभी जिलों में तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल रहा है. मौसम विभाग की मानें तो आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में और ज्यादा गर्मी पड़ सकती है. पिछले कुछ दिनों में छत्तीसगढ़ में लगातार तापमान बढ़ने लगा है. सुबह से ही लोगों को तेज गर्मी और धूप का एहसास होने लगा है. लोग सुबह से ही अपने चेहरे को कपड़ों से ढककर घर से निकल रहे हैं. तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों का घर से निकलना मुहाल कर दिया है. छत्तीसगढ़ के अधिकतर जिलों में तापमान 44 डिग्री तक पहुंच गया है. मैदानी इलाकों में गर्म हवा और गर्मी ज्यादा लग रही है। पिछले 24 घंटों में छत्तीसगढ़ के अधिकतम तापमान की बात की जाए तो प्रदेश के सभी संभागों मे विशेष परिवर्तन नहीं हुए. छत्तीसगढ़ के दुर्ग संभाग में सामान्य से अधिक और बाकि संभागो मे तापमान सामान्य रहा है छत्तीसगढ़ के न्यूनतम तापमानों की बात की जाए तो प्रदेश के रायपुर संभाग में तापमान में गिरावट व सरगुजा संभाग में वृद्धि और बाकि संभागों मे विशेष परिवर्तन नहीं हुए. प्रदेश के सरगुजा संभाग मे सामान्य से उल्लेखनीय अधिक, बिलासपुर संभाग में सामान्य से अधिक और बाकि संभागों मे तापमान सामान्य रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट रहने कहा

■ देश और प्रदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर दिए जरुरी निर्देश

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने देश और प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए आज वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अलर्ट रहते हुए कोरोना की जांच, इलाज, इससे बचाव और नियंत्रण के लिए सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने को कहा। स्वास्थ्य मंत्री ने कोविड-19 के लक्षण वाले लोगों में इसकी पुष्टि के लिए ज्यादा से ज्यादा जांच आरटीपीसीआर टेस्ट के माध्यम से कराए जाने के साथ ही मेडिकल उपकरणों, ऑक्सीजन किट, वैक्सीन, दवाईयों, कन्जुमेबल्स आदि की समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पिछले एक माह में कोरोना से हुई मौतों की समीक्षा भी की। स्वास्थ्य मंत्री श्री सिंहदेव ने कोरोना के संदिग्ध मरीजों की सैंपल जांच में तेजी लाते हुए रोजाना दस हजार टेस्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पतालों में जीवनरक्षक उपकरणों के संचालन और कोविड-19 के उपचार से जुड़े मानव संसाधन का प्रशिक्षण भी शुरू करने को कहा। श्री सिंहदेव ने अस्पतालों में सामान्य बिस्तरों के साथ ही आईसीयू बेड, एचडीयू बेड तथा ऑक्सीजन सुविधा एवं वेंटिलेटर सुविधा वाले बिस्तरों की जानकारी ली। उन्होंने अस्पतालों में सर्जिकल मास्क, पीपीई किट, कैप्स, ग्लोव्स एवं एन-95 मास्क की उपलब्धता के बारे में भी पूछा।

पीसीपीएनडीटी एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने गैर-सरकारी संगठनों के साथ की चर्चा।

स्वास्थ्य मंत्री ने बैठक में कहा कि कोरोना संक्रमित 95 प्रतिशत मरीज होम आइसोलेशन में ही उपचार से अभी स्वस्थ हो जा रहे हैं। लेकिन देश और प्रदेश में लगातार बढ़ रहे संक्रमण दर को देखते हुए अस्पतालों में भी इसके इलाज और नियंत्रण की तैयारी रखनी होगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि प्रदेश में रोजाना सैंपलों की जांच की संख्या बढ़ाई जा रही है। विगत 11 अप्रैल से 17 अप्रैल के बीच प्रतिदिन औसत 3763 टेस्ट किए गए हैं, जबकि मार्च महीने के प्रथम सप्ताह में प्रतिदिन औसत 1008 टेस्ट किए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य में विगत एक महीने में (17 मार्च से 17 अप्रैल के बीच) कोविड-19 के 11 मरीजों की मृत्यु हुई है जिनमें से आठ कोमोरबिडिटी पीड़ित थे। इन 11 मरीजों में से चार मरीजों ने कोविड-19 से बचाव का टीका नहीं लगाया था।

स्वास्थ्य मंत्री श्री सिंहदेव के सिविल लाइन स्थित निवास कार्यालय में हुई समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री प्रसन्ना आर., आयुक्त डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक श्री भीम सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक श्री भोसकर विलास संदिपान, चिकित्सा शिक्षा विभाग की आयुक्त सुश्री नम्रता गांधी, संचालक डॉ. विष्णु दत्त, महामारी नियंत्रण के संचालक डॉ. सुभाष मिश्रा, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक श्री चन्द्रकांत वर्मा, पंडित जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय की डीन डॉ. तृप्ति नागरिया, डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. एस.बी.एस. नेताम, डॉ. ओ.पी. सुंदरानी और स्वास्थ्य विभाग के उप संचालक डॉ. धर्मेन्द्र गहवई भी मौजूद थे।

आरक्षण को लेकर कांग्रेस के दो मुंहः ओपी चौधरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा है कि आरक्षण को लेकर प्रदेश सरकार राजनीतिक दोमुँहेपन का परिचय दे रही है। श्री चौधरी ने कहा कि जब तक कांग्रेस सत्ता में है, आरक्षण लागू होने नहीं देगी। कांग्रेस की प्रदेश सरकार ने बार-बार यह प्रमाणित किया है कि वह आरक्षण की पक्षधर नहीं है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री चौधरी ने कहा कि सबसे पहले आदिवासी भाइयों के लिये 32 प्रतिशत आरक्षण भाजपा के शासनकाल में लागू किया गया था। अपने पूरे शासनकाल में भाजपा सरकार ने उस व्यवस्था पर आँच नहीं आने दी। लगातार सभी को नौकरियाँ और सभी वर्गों को उनका हक़ मिलता रहा। श्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश की मौजूदा कांग्रेस सरकार ने अपने ही व्यक्तियों को हाईकोर्ट में भेजकर यह आरक्षण रद्द कराया और आरक्षण रद्द करवाने के बाद उन्हें पुरस्कृत भी किया! आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस के दोमुँहेपन पर कटाक्ष कर श्री चौधरी ने कहा कि 82 प्रतिशत आरक्षण का मसौदा आया जिस पर राज्यपाल ने भी हस्ताक्षर कर दिए थे। कांग्रेस ने उसे क़ानूनी रूप दिया नहीं, विधानसभा के पटल पर रखा नहीं; उल्टे अपने ही व्यक्ति से हाई कोर्ट में रिट लगाकर उस पर भी स्थगन आदेश ले लिया।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री चौधरी ने कहा कि हाई कोर्ट द्वारा रद्द किए गए आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में भी सही तरीके से पक्ष नहीं रखा।श्री चौधरी ने कहा कि 76 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव राज्यपाल को हस्ताक्षर करने दिया गया। राज्यपाल द्वारा इसके परिप्रेक्ष्य में 10 सामान्य-से सवाल पूछे जाने पर कांग्रेस की सरकार ने इन सवालों का जवाब नहीं दिया। इसमें क्रांटिफ़ायबल डाटा आयोग की रिपोर्ट भी मांगी गई थी। वह भी न तो राजभवन में दी गई, न विधानसभा के पटल पर रखी गई, न जनता को दिखाई गई और न ही मीडिया को बताई गई। श्री चौधरी ने कहा कि इससे यह बार-बार प्रमाणित हुआ है कि कांग्रेस आरक्षण की पक्षधर नहीं है और जब तक कांग्रेस सत्ता में रहेगी, लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा।

माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा साहनी वाद एवं अन्य अनेक मामलों में स्पष्ट किया है कि अतिरिक्त आरक्षण के लिये संख्या नहीं,बल्कि प्रतिनिधित्व की अपर्याप्तता आधार हो सकती है।लेकिन कांग्रेस सरकार ने कभी इस पर बात ही

भाजपा नहीं चाहती आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि आरक्षण के मामले में भाजपा की नीति मुंह में राम, बगल में छुरी वाली है सदन में जो आरक्षण विधेयक सर्वसम्मति से पास हुआ हैं। वही आरक्षण विधेयक राजभवन हस्ताक्षर हेतु पहुंचती तब भाजपा षड्यंत्र पूर्वक उक्त बिल में हस्ताक्षर होने नहीं देती और आरक्षित वर्ग के पीठ में छुरा घोपती है। आरक्षण के मामले में भाजपा प्रदेश की जनता को धोखा दे रही है। भाजपा को यह डर सता रहे कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार ने 76 प्रतिशत आरक्षण बिल पारित कर ओबीसी, एसटी, एससी और ईडब्लूएस वालों को आरक्षण अधिकार दी है अगर वह लागू हो जाएगा तो भाजपा 2023 के चुनाव में 14 सीट भी बचाने की स्थिति में नहीं रहेगी। इसलिये भाजपा, प्रदेश के लाखों नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के लिए इस आरक्षण बिल

को दबावपूर्वक रोकवा रही है। पूरा प्रदेश भाजपा के इस हरकत को देख रही है किस तरह भाजपा जनता की नहीं बल्कि राजभवन की पैरोकार कर रही है। विधानसभा में सर्वसम्मति से आरक्षण विधेयक पास किया गया है। आरक्षण विधेयक राज्यपाल के पास हस्ताक्षर के लिये जाता है तब भाजपा के दबाव में राजभवन में आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं होता है। इसका मतलब साफ है कि भाजपा आरक्षण विरोधी है। छत्तीसगढ़ की जनता को कांग्रेस सरकार हक और अधिकार देना चाहती है। जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देना चाहती है लेकिन भाजपा यहां के युवाओं, बेरोजेगारों को मिलने वाली नौकरी में व्यवधान उत्पन्न करना चाहती है। भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा आने वाले समय में युवाओं, बेरोजगार भाजपा को सबक सिखायेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि हमारी सरकार का मानना है छत्तीसगढ़ की जनता को उनके अधिकार जनसंख्या के अनुपात में देना चाहते हैं मगर भाजपा के मनसूबे आप सबने देखा है 15 साल सरकार में रहने के बाद सरकार जाने के बाद हताशा- निराशा के दौर से गुजर रही है। भाजपा यहां की जनता से बदला लेना चाहती है। जनता 2023 के चुनाव में भाजपा को फिर से सबक सिखायेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि विधानसभा में सर्वसम्मति से पास हो चुके आरक्षण विधेयक को राजभवन में निरुद्ध करवाकर भाजपा घटिया राजनीति का परिचय दे रही है।

बख्शे नहीं जाएंगे बिरनपुर हिंसा के मास्टरमाइंड-भूपेश

बेमेतरा। जिले के सलधा पहुंचे सीएम भूपेश बघेल ने एक बार फिर जिले में हुई हिंसा को लेकर सख्त कदम उठाने की बात कही है. सीएम भूपेश बघेल ने सलधा में सपाद लक्षेश्वर धाम में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया. वहीं रुद्र महायज्ञ और शिवमहापुराण कार्यक्रम में भी सीएम शामिल हुए. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शंकराचार्य पादुका पूजन किया. इस दौरान कृषि मंत्री रविंद्र चौबे, बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा, ब्रमचारी ज्योतिर्मानंद महराज भी मौजूद थे.

सलधा में विकसित होगा बेलपत्रों का बगीचा- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सपाद लक्षेश्वर धाम सलधा में रुद्रमहायज्ञ और शिवमहापुराण कार्यक्रम में शामिल हुआ. यहां सवा लाख शिवलिंग वाला मंदिर तैयार हो रहा, जिसके लिए बड़ी संख्या में बेलपत्र की भी आवश्यकता पड़ेगी. इसके लिए बेल पत्र का बगीचा बनाया जाएगा. मंदिर निर्माण में जो

सहयोग बनेगा किया जाएगा. बेमेतरा हिंसा को लेकर सलधा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि बिरनपुर में बच्चो के विवाद में हुई हिंसा दुर्भाग्यजनक है. हिंसा में आगजनी करने वाले, हत्या करने वाले मास्टरमाइंड को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा. महानदी जल विवाद को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साफ किया कि महानदी का जल हमारा है, जिसका हम पक्ष रखेंगे. इंद्रवती और महानदी में 50 फीसदी जल मिलना चाहिए. ये जितना जल्दी फैसला कर ले उतना अच्छा. हम चाहेंगे कि कुछ अनुमति उड़ीसा को मिले कुछ अनुमति हमको मिले निर्माण की।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

कांग्रेस के कुशासन के चलते बच्चियां दुष्कर्म की शिकार हो रही है- संजय श्रीवास्तव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने कहा है कि

प्रदेश में कांग्रेस के कुशासन के चलते बच्चियों से लेकर वृध्दाएं तक दुष्कर्म की शिकार हो रही है, महिलाओं का आत्मसम्मान लहूलुहान हो रहा है। अब तो हालात यह हो गई है कि दुष्कर्म की शिकार बच्चियों के प्रति पुलिस प्रशासन भी संवेदनशील नहीं रह गया है। श्री श्रीवास्तव ने अंबिकापुर में दुष्कर्म की शिकार ऐसी ही एक 14 वर्षीय स्कूली छात्रा द्वारा की गई आत्महत्या को कांग्रेसी शासन का छत्तीसगढ़ के माथे पर कलंक बताया है।भाजपा सरगुजा संभाग प्रभारी श्री श्रीवास्तव ने कहा कि दुष्कर्म की शिकार छात्रा के परिजनों की समय रहते पुलिस ने मदद की होती तो अवसाद और गुमसुम दशा में छात्रा को आत्महत्या के लिए विवश नहीं होना पड़ता। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस अब इस मामले में सूचना नहीं दिए जाने की बात कहकर अपनी संवेदनहीनता और नकारापन पर पर्दा डालने की निर्लज्ज कार्यप्रणाली का परिचय दे रही है।

74 हजार बेरोजगारी भत्ते के आवेदनों ने बेरोजगारी ना होने के दावों की पोल खोली-अरुण साव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद अरुण साव ने कहा है कि प्रदेश सरकार युवा बेरोजगारों के साथ छल-कपट करने पर आमादा है। प्रदेश की भूपेश सरकार ने एक तो साढ़े चार वर्षों तक वादे के बावजूद युवकों को बेरोजगारी भत्ता नहीं दिया, और अब तमाम मुश्किल शर्तों के बावजूद आए 74 हजार आवेदनों में से 83 फीसदी आवेदन अस्वीकृत पड़े हैं। श्री साव ने कहा कि बेरोजगारी भत्ते पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार के राजनीतिक पाखण्ड का यह ताजा प्रमाण है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत अब तक 74 हजार से ज्यादा आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। बेरोजगारी भत्ते को लेकर, पूरे परिवार के बेरोजगार होने 12वीं उत्तीर्ण होने, 2 साल पूर्व पंजीयन होने, परिवार की आय ढाई लाख से ज्यादा नहीं होने जैसे कई अन्य जटिल नियम कायदे कानून होने के बावजूद 74 हजार युवाओं ने इस हेतु आवेदन किया है इससे स्पष्ट है कि प्रदेश में कितनी रिकॉर्ड तोड़ बेरोजगारी कांग्रेस के कुशासन की वजह से है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री साव ने कहा कि बेरोजगारी भत्ता के लिए प्रदेश सरकार ने जो जटिल नियम व शर्तें तय की थीं।

जिले के युवाओं ने शासन की बेरोजगारी भत्ता योजना में दिखाई विशेष रूचि

राजनांदगांव। जिले में बेरोजगारी भत्ता के लिए आवेदन लगातार प्राप्त हो रहे हैं। जिले के युवाओं ने शासन की बेरोजगारी भत्ता योजना में विशेष रूचि दिखाई है। कलेक्टर डोमन सिंह के मार्गदर्शन में युवाओं से आवेदन के सत्यापन के लिए अच्छी व्यवस्था की गई है। जिले में बेरोजगारी भत्ता योजना अंतर्गत 3 हजार 506 आवेदन प्रस्तुत किए गए हैं। बेरोजगारी भत्ता के लिए आवेदन करने के अधिकतम एक सप्ताह के भीतर आवेदकों को निर्धारित क्लस्टर में बुलाया जा रहा है। आवेदक फार्म करने के बाद यथासंभव अपने दिए गए पते पर ही निवास करें। यदि आवेदक निर्धारित तिथि को क्लस्टर नहीं पहुंच सकते हैं, तो आवेदक मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी जनपद व नगरीय निकाय को आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी व मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा बुलाए गए तिथि, समय व स्थल पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा। उप संचालक रोजगार एसव्ही राजौरिया ने बताया कि जिन आवेदकों के रोजगार पंजीयन का नवीनीकरण निर्धारित तिथि में होना है। आवेदक उसमें दो माह अतिरिक्त छूट रखी गई है। यदि जनवरी में नवीनीकरण होना था, तो आवेदक जनवरी, फरवरी व मार्च तक अपने रोजगार पंजीयन का नवीनीकरण करा सकते हैं।

रमन सरकार की अकर्मण्यता के कारण अटका था महानदी जल बंटवारा-कांग्रेस

रायपुर। पूर्ववर्ती रमन सरकार के अकर्मण्यता और लापरवाही के कारण महानदी जल बंटवारा अटका हुआ था। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि महानदी का उद्गम छत्तीसगढ़ में हुआ, इसके जल पर पहला अधिकार छत्तीसगढ़ का है। पूर्ववर्ती रमन सरकार ने महानदी के जल का व्यापक उपयोग करने के लिये कोई दीर्घकालिक कार्ययोजना बना कर बांध का निर्माण नहीं किया, कुछ एक औद्योगिक बेराज को छोड़ दिया जाये तो 15 साल तक महानदी के जल के सरंक्षण के लिये रमन सरकार ने उदासीनता दिखाई थी जबकि छत्तीसगढ़ की आबादी का 78 प्रतिशत जनसंख्या महानदी के बेसिन पर निवास करती है। सही मायने में महानदी छत्तीसगढ़ की प्राणदायनी है लेकिन रमन सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया था। महानदी के जल पर छत्तीसगढ़ के पुख्ता और नैसर्गिक अधिकार को जताने में रमन सरकार ने कोताही बरता था जिसका खामियाजा आज भी राज्य को भुगतना पड़ रहा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रमन सरकार की प्राथमिकता में छत्तीसगढ़ की सिंचाई सुविधा बढ़ाना था ही नहीं। यही कारण था कि रमन राज के 15 सालों में मध्यप्रदेश से अलग होने के बाद राज्य का सिंचाई रकबा मात्र 10 प्रतिशत ही बढ़ पाया।

मुख्यमंत्री जनहित के विषय पर पीएम को पत्र लिखते है तो भाजपा विरोध क्यों करती है?

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश की जनता के हित और हक के लिए जब प्रधानमंत्री को पत्र लिखते हैं तब भाजपा विरोध क्यों करती है? अभी पत्र लिखकर आरक्षण विधेयक के साथ पारित संकल्प को लोकसभा के नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग किये हैं तो भाजपा विरोध क्यों कर रही है? सुनील सोनी और भाजपा के सांसद प्रदेश की जनता को बताएं कि आरक्षण विधेयक के साथ पारित संकल्प को नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए अब तक भाजपा सांसदों क्या किया है? क्या भाजपा सांसदों को उक्त आरक्षण बिल के साथ पारित संकल्प को नौवीं अनुसूची में शामिल कराने से रोका जा रहा है इसका जवाब प्रदेश की जनता जानना चाहती है? प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की जनता ने भाजपा को 9 सांसद दिये हैं लेकिन इन सांसदों ने कभी भी छत्तीसगढ़ के जनप्रतिनिधि होने का दायित्व का निर्वहन नहीं किये हैं? अगर ये भाजपा के सांसद छत्तीसगढ़ की आवाज को केंद्र के सामने रखते तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पत्र लिखने की आवश्यकता नहीं पड़ती? भाजपा सांसदों के निष्क्रियता का बड़ा नुकसान छत्तीसगढ़ को उठाना पड़ता है, केंद्र छत्तीसगढ़ के साथ सौतेला और भेदभाव पूर्ण व्यवहार निरन्तर कर रही है लेकिन ये भाजपा के सांसद केंद्र की इस व्यवहार का विरोध नही करते बल्कि मुख्यमंत्री के पत्र का विरोध कर अपने भाजपाई होने का प्रमाण देते हैं।

ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष को आमसभा बुलाने का भी अधिकार नहीं - राजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ हैण्डबाल एसोसिएशन भिलाई को खेल विभाग छग शासन द्वारा आदेश क्रमांक एफ 876/637/2016/9/ रायपुर दिनांक 19/10/2016 के मार्फत्त 45वीं सीनियर राष्ट्रीय महिला हैण्डबाल चैम्पियनशीप हेतु रू 20,00,000/- का अनुदान स्वीकृत कर उन्हें प्रदान किया गया था जिसे छत्तीसगढ़ हैण्डबाल एसोसिएशन के द्वारा ऑडिट बैलेंसशीट वर्ष 2017 के लिए निर्मित करायी और जिसकी बैलेंसशीट दिनांक 14/07/2017 के पेमेन्टस कॉलम में 45वीं सीनीयर राष्ट्रीय महिला हैण्डबाल चैम्पियनशीप को भुगतान दर्शाया है जो कि पूर्णत: अवैधानिक है, उक्त आरोप जी. रवि राजा भिलाई निवासी छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष बशीर खान पर लगाया। पत्रकारवार्ता में राजा ने बताया कि बशीर खान अपने पुत्र को भी अवैधानिक रूप से पदाधिकारी बनाकर संगठन का दुरूपयोग कर रहे हैं। राजा के अनुसार उक्त राशि का कोई बिन्दुवार विवरण नहीं है और महज छत्तीसगढ़ हैण्डबाल एसोसिएशन एक भुगतान की एजेन्सी के रूप में कार्य किया जबकी उनका दायित्व था उक्त प्राप्त अनुदान राशि को चरणबद्ध ढंग से किये जा रहे अनेकों आयोजनों में उसका व्यय करते और समस्त अनुदान राशि की पाई पाई का ये हिसाब रखते ताकि किसी भी प्रकार से राशि का दुरूपयोग न हो।

राष्ट्र एवं समाज की उन्नति में सहभागी बनें विद्यार्थी-राज्यपाल

रायपुर। भारत एक कृषि प्रधान देश है और इसकी अर्थ व्यवस्था कृषि पर आधारित है। देश की प्रगति के लिए कृषि का विकास तथा किसानों की खुशहाली पहली प्राथमिकता है। कृषि ग्रजुएट तथा पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थी नवीन कृषि अनुसंधानों तथा नवाचारों से देश के विकास को एक नई दिशा दे सकते हैं। विद्यार्थियों का यह कर्तव्य है कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग राष्ट्र व समाज की उन्नति में करें। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने यह उद्गार आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के नवम् दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से आव्हान किया कि वे कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थिपित करते हुए समाज एवं राष्ट्र को नई दिशा प्रदान करें। समारोह के विशिष्ट अतिथि

प्रदेश के कृषि, जल संसाधन, पंचात एवं ग्रामीण विकास तथा संसदीय कार्य मंत्री श्री रविन्द्र चौबे थे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने विद्यार्थियों को दीक्षांत उद्बोधन दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विद्यार्थियों दीक्षोपदेश दिया।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के सभागार में आयोजित भव्य एवं गरिमामय दीक्षांत समारोह में 12 हजार 384 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी। जिनमें 9 हजार 908 स्नातक, 2 हजार 96 स्नातकोत्तर और 380 पीएचडी डिग्री धारी विद्यार्थी शामिल हैं, इनमें से लगभग साढ़ पांच हजार विद्यार्थियों ने भौतिक रूप से उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त की। प्रावीण्य सूची के 62 छात्रों को स्वर्ण, 140 रजत और 23 कांस्य पदक प्रदान किये गये। दीक्षांत समारोह के दौरान भव्य शोभा यात्रा भी निकाली गई जिसमें राज्यपाल, मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, कृषि उत्पादन आयुक्त, धरसिंवा विधायक, कुलपति, कुलसचिव एवं विश्वविद्यालय प्रबंध मण्डल के सदस्यगण, विद्या परिषद के सदस्यगण, प्रशासनिक परिषद के सदस्यगण सहित अन्य आमंत्रित अतिथि शामिल हुए।

कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अनुसंधान और विस्तार शिक्षा प्रदान करके राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के समय इस विश्वविद्यालय में केवल एक कृषि महाविद्यालय था और वर्तमान में कृषि और संबद्ध विषयों के 39 महाविद्यालय हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय में लगभग करीब 15 राज्यों के 11000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने अब तक 50 से अधिक फसलों की 162 किस्में विकसित और जारी की हैं जो किसानों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। विश्विद्यालय की 12 शोध परियोजनाओं को देश के सर्वश्रेष्ठ शोध परियोजनाओं का पुरस्कार मिल चुका है।

राज्यपाल ने कहा कि लगातार बढती आबादी के भोजन की जरूरतों को पूरा करने के लिए रासायनिक उत्पादों और नई तकनीको ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। लेकिन रासायनिक खाद के अधिक उपयोग के परिणाम स्वरूप मानव और मिट्टी के स्वास्थ पर बुरा प्रभाव पड़ा।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.